वार्षिक प्रतिवेदन
2022–2023

सर्वभूतहिते रताः

डॉ. रघुनन्दन सिंह टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी
आर्डवैल कैम्प, मल्लीताल, नैनीताल

वार्षिक प्रतिवेदन

2022–23

वार्षिक प्रतिवेदन

2022–23

डा0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी,
नैनीताल
फोन : 05942–235011 / 236149 / 236068
फैक्स : 05942–237642

अनुक्रमणिका

1. महानिदेशक की कलम से.... **i-vi**

2. डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल **1–38**

   I. अकादमी : एक परिचय

   II. अकादमी की विभिन्न संगठनात्मक इकाईयाँ/अनुभाग
   (1) पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र
   (2) कम्प्यूटर अनुभाग
   (3) दृश्य–श्रृव्य अनुभाग
   (4) स्टोर अनुभाग
   (5) परिसर अनुभाग
   (6) प्रशिक्षण समन्वय इकाई
   (7) अकादमी ऑफिसर्स मैस, अतिथि गृह तथा छात्रावास
   (8) प्रशिक्षण कक्ष तथा प्रेक्षागृह
   (9) क्रीड़ा एवं खेलकूद

   III. अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियाँ तथा अन्य विवरण

   IV. विभागीय परीक्षाएँ

   V. विभिन्न राष्ट्रिय संस्थाओं से संकाय विनिमय कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग **(MoU)**

   VI. मिशन कर्मयोगी

3. आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ **39–44**

4. सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स **45–60**

   (1) प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफॉरमेन्स बजटिंग प्रकोष्ठ
   (2) ई–गवर्नेन्स प्रकोष्ठ
   (3) प्रलेखन एवं समन्वय प्रकोष्ठ
   (4) शहरी विकास प्रकोष्ठ
   (5) की–रिसोर्स सेन्टर, पेयजल एवं स्वच्छता प्रकोष्ठ
   (6) जेन्डर इश्यूज प्रकोष्ठ

5. प्रशिक्षण गतिविधियों का चार्ट निरूपण **61–70**

6. प्रशिक्षण गतिविधियों की कुछ झलकियाँ **71–92**

7. वर्ष 2022–23 में अकादमी के निदेशक एवं संकाय सदस्य **93–104**

8. वर्ष 2022–23 में अकादमी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची **105–114**

9. वर्ष 2022–23 में सी.जी.जी. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची **115–119**

महानिदेशक की कलम से.....

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2022–23 आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है। उत्तराखण्ड शासन द्वारा 'डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' को राज्य के शीर्षस्थ संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। वर्तमान समय में अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में प्रशिक्षण के माध्यम से ज्ञान, कौशल एवं गुणवत्ता विकास हेतु निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि, उत्तराखण्ड शासन की प्राथमिकताओं एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत कार्यरत् अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यक्षेत्र में दक्ष बनाने के उद्देश्य के साथ अकादमी में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों व अन्य गतिविधियों को तद्नुसार निरन्तर बेहतर किए जाने के प्रयास अकादमी स्तर पर किये जा रहे हैं, जिससे कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सार्थक बनाया जा सके।

वर्ष 2022–23 में नियमित संकाय सदस्यों की अल्प संख्या के बावजूद अकादमी, डी0एम0सी0 एवं सी0जी0जी0 के अन्तर्गत कुल 106 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तराखण्ड एवं देश के कुल 4220 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इसमें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा उत्तराखण्ड सरकार के विभिन्न विभागों सहित राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, शहरी विकास मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित हैं।

वर्ष 2022–23 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली के सौजन्य से राज्य के अधिकारियों के लिए राज्य श्रेणी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत विविध विषयों पर कुल 24 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिनमें 643 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

इसके अलावा प्रशिक्षक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 6 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें 91 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। भारत सरकार के सहयोग से भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए 1 सप्ताह का गुड गवर्नेन्स विषय पर 1 कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से कुल 22 भारतीय वन सेवा के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आलोच्य वर्ष में अकादमी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के उत्तराखण्ड कैडर के 3 अधिकारियों के लिए 20वॉ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भारतीय पुलिस सेवा के उत्तराखण्ड कैडर के 2 अधिकारियों के लिए दो दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तराखण्ड राज्य के समूह 'ख' तथा 'ग' के समस्त ऐसे अधिकारियों/कार्मिकों जिनके द्वारा सेवा में प्रवेश के समय किसी भी प्रकार का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया गया है के लिए एक माह का अनिवार्य सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पूर्व से सेवारत् अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मिड कैरियर प्रशिक्षण उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के माध्यम से आयोजित किये जाने हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी शासनादेश संख्या : 450/ XXX (2)/2014 दिनाँक : 3 नवम्बर, 2014 के संदर्भ में सेवा प्रवेश प्रशिक्षण तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु अकादमी निरन्तर प्रयासरत् है। इस क्रम में राजपत्रित श्रेणी के अंतर्गत अकादमी में आयोजित किए जाने वाले सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संदर्भ में आलोच्य वर्ष में नव–नियुक्त चिकित्साधिकारियों को समस्त आवश्यक प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य विषयों के सन्दर्भ में ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि के लिए 45वॉ, 46वॉ तथा 47वॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण एवं अराजपत्रित श्रेणी में लोक निर्माण विभाग तथा सिंचाई विभाग के अवर अभियन्ताओं हेतु 52वॉ व 53वॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया।

अकादमी लोकसेवा आयोग द्वारा चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण (12 सप्ताह), व्यावसायिक प्रशिक्षण (10 सप्ताह), तथा सेवा प्रवेश प्रशिक्षण (04 सप्ताह) कार्यक्रमों का निरन्तर आयोजन करती है। अकादमी द्वारा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार को विभिन्न Thematic प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रस्ताव प्रेषित करती है, जो कि सीमित मात्रा में अनुमोदित किये जाते हैं। इस वर्ष अकादमी द्वारा राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्प अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम यथा वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंध, नेतृत्व एवं समय प्रबंधन, अभिप्रेरण एवं माँग आधारित अन्य विषयों पर 3 दिवसीय व 5 दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया था। उक्त के क्रम में अकादमी द्वारा इस वर्ष राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए 11 विभिन्न Thematic प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा जनपद स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, ताकि कम संसाधनों में अधिक से अधिक अधिकारियों/कार्मिकों को प्रशिक्षण का लाभ प्रदान किया जा सके। आलोच्य वर्ष 2022–2023 में उत्तराखण्ड राज्य के राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु राज्य के कुल 4 जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, हरिद्वार व देहरादून में 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आलोच्य वर्ष में अकादमी द्वारा 2 महत्वपूर्ण सेवा के अधिकारियों के लिए विभागीय परीक्षाओं का भी आयोजन किया गया, इनमें से प्रथम सेवायोजन विभाग के प्रधानाचार्यों तथा द्वितीय पुलिस उपाधीक्षकों के लिए विभागीय परीक्षाओं को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। इनमें कुल 37 अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अकादमी में स्थापित आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ मुख्यतः दैवीय आपदाओं के संबंध में सूचनाओं का संकलन, डॉक्यूमेंटेशन, आपदा प्रबन्धन के सम्बन्ध में एक्शन प्लान का निर्धारण, पूर्व तैयारी, जागरुकता तथा प्रशिक्षण, कन्सलटेन्सी, शोध तथा क्षमता विकास इत्यादि का कार्य कर रहा है।

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा इस वर्ष कुल 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से 2 राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ द्वारा इस वर्ष कुल 971 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत स्वायत्तशासी संस्था के रूप में स्थापित सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स अकादमी के मार्ग निर्देशन में सुशासन एवं सतत् विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्श सेवायें प्रदान करने का कार्य करता है। सेंन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत शहरी विकास प्रकोष्ठ द्वारा कुल 10 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें कुल 220 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रकोष्ठ द्वारा शहरी विकास निदेशालय, देहरादून के सहयोग से दो दिवसीय Visioning Workshop का आयोजन भी किया गया। जिसमें कुल 51 फील्ड अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सेंन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत की–रिसोर्स सेंन्टर द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 6 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें कुल 173 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरक्त सेंन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत विभिन्न विभागों द्वारा मांग आधारित कुल 8 तथा जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ द्वारा 1 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनमें कुल 272 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

आलोच्य वर्ष में आउटडोर क्रीड़ा गतिविधियों के लिए कृत्रिम रॉक क्लाईम्बिगं वाल तथा एक Multi-purpose all weather court जिसमें लॉन टैनिस, बास्केटबाल तथा वालीबाल की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, को प्रतिभागियों के लिए खोल दिया गया है। ऑडिटोरियम तथा चर्चा कक्ष संख्या 10 (कैलाश) का उच्चीकरण कर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कराया गया है। अकादमी परिसर का बाउन्ड्री वाल, मुख्य द्वार तथा एक उच्च–स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित तथा राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बैडमिंन्टन हाल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। आगामी कुछ

माहों में इन कार्यो के पूर्ण हो जाने के पश्चात अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अवस्थापनाओं की गुणवत्ता में निश्चय ही गुणात्मक सुधार परिलक्षित होगें। इस वर्ष अकादमी आफिसर्स मेस में एक नया एक्जयूक्यूटीव डॉयनिग हॉल भी बनाया गया है, जिसमें 25–30 लोग एक साथ भोजन कर सकते हैं।

आलोच्य वर्ष में अकादमी की आवश्यकता के अनुरूप एक मीटिगं हाल (मेरू) को उच्चीकृत कर उसमें विडियो कान्फ्रेन्सिंग कक्ष का निर्माण कराया गया है। इसमें नियमित रूप से मीटिगं व विडियो कान्फ्रेन्सिंग आयोजित किये जा रहे हैं। आलोच्य वर्ष में प्रशिक्षुओं को डिजिटल प्रलेखों के साथ–साथ ई–मेल और वेब आधारित अन्य पाठ्य सामग्री के उपयोग की सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था करने के लिए अकादमी पुस्तकालय में 2 Workstation की स्थापना की गई है। इसमें उच्च क्षमता के 2 आधुनिक कम्प्यूटर लगाये गये है। इनमें लगभग 400 से अधिक डिजिटल प्रलेखों के साथ–साथ आईसीमोड, विश्व बैंक की ई–पुस्तकालय के निःशुल्क लगभग 40 हजार से अधिक डिजिटल प्रलेखों को सर्च करने की सुविधा प्रदान की गई है।

आलोच्य वर्ष में उत्तराखण्ड राज्य में मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा अकादमी को दिनांक 14 जून, 2022 को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया। अकादमी द्वारा कार्यक्रम के क्रियान्वयन में समानान्तर रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके क्रम में अकादमी में मिशन कर्मयोगी सेल की स्थापना की गयी है। अकादमी द्वारा राज्य के विभिन्न विभागों को i-Got Portal पर ऑनबोर्ड कराया जा रहा हे।

अकादमी द्वारा आलोच्य वर्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उच्च गुणवत्ता, विविधता बनाये रखने तथा अकादमी हित के लिए 8 प्रमुख राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों से MoU किया गया है।

अन्त में, मैं अकादमी के समस्त संकाय सदस्यों, प्रशिक्षण समन्वय इकाई (टी0सी0यू0) की टीम तथा अन्य विभिन्न इकाईयों की टीमों की विशेष रूप से सराहना करना चाहूँगा जिनके

प्रयासों से वर्ष 2022–23 में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन एवं तत्संबंधित व्यवस्थाओं का सफल सम्पादन हो सका। प्रशिक्षण समन्वय इकाई के सतत् प्रयासों से ही यह वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23 प्रकाशित होना सम्भव हो सका है। इसके लिए मैं अकादमी के समस्त संकाय सदस्यों एवं कार्मिकों को साधुवाद करना चाहूँगा। आशा करता हूँ कि, वर्ष 2023–24 में भी 'डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' राज्य की अपेक्षाओं के अनुरूप नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर अपनी उत्कृष्टता को मानकों के अनुसार स्थापित करने में सक्षम हो सकेगी तथा अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य की प्राथमिकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुसार प्रशिक्षण को राज्य में एक नवीन दिशा एवं प्राथमिकता प्रदान करने में विशेष योगदान सतत् रूप से दिया जाता रहेगा।

'हार्दिक शुभकामनाओं सहित'

बी.पी. पाण्डेय
महानिदेशक

अकादमी : एक परिचय

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी परिसर का बहुत रोचक एवं गौरवपूर्ण इतिहास है। सन् 1951 में "अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल" के नाम से इलाहाबाद में स्थापित इस संस्थान को जब सन् 1971 में नैनीताल के शान्त एवं सुरम्य वातावरण में लाने का निर्णय लिया गया तब आर्डवैल (उच्चस्थ नगर –High Town) कैम्प परिसर को इस संस्थान की स्थापना के लिए चुना गया। आर्डवैल कैम्प में निर्मित बैरेकें द्वितीय विश्वयुद्ध के समय रॉयल एयरफोर्स के अधिकारियों के अस्थायी आवास के लिए निर्मित किए गए थे। ब्रिटिश अधिकारियों, सिपाहियों के अतिरिक्त इन बैरेकों में अमेरिकन अधिकारी भी रहते थे। आर्डवैल कोठी जो कि आज महानिदेशक आवास है, स्वतंत्रता से पूर्व कुमाऊँ कमिश्नर का आवास हुआ करती थी। आर्डवैल प्रांगण में बैरेक्स और क्वार्टरों के साथ एक हॉल का निर्माण किया गया था (वर्तमान बैटमिंटन एवं टी.टी. हॉल) जो अंग्रेज फौजियों को अंग्रेजी चलचित्र दिखाने के लिये काम में आता था, साथ ही आवश्यकता पड़ने पर डोरमेटरी के रूप में भी इसका प्रयोग होता था। दिनाँक 15 मई, 1947 से दिनाँक 6 जून, 1947 तक संयुक्त प्रान्त लेजिसलेटिव असेम्बली की 16 बैठकें आर्डवैल हॉल में आयोजित हुई थी। डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी परिसर में स्थित आर्डवैल हॉल में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व आयोजित संयुक्त प्रान्त लेजिससेटिव असेम्बली की बैठकों के पदाधिकारी के रूप में अध्यक्ष माननीय श्री पुरुषोत्तम दास टण्डन, उपाध्यक्ष श्री नफीसुल हसन, सचिव श्री कैलाश चन्द्र भटनागर इत्यादि कई अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यक्तियों द्वारा भाग लिया गया था।

अकादमी की स्थापना वर्ष 1951 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तर प्रदेश संवर्ग) तथा राज्य सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए इलाहाबाद में 'अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल (ओ.टी.एस.)' के रूप में की गयी। वर्ष 1958 में इस स्कूल में प्रादेशिक न्यायिक सेवा के अधिकारियों के लिए भी व्यावसायिक प्रशिक्षण आरम्भ किया गया। वर्ष 1961 तक स्कूल में प्रान्तीय सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। परन्तु वित्तीय कठिनाइयों के कारण वर्ष 1961 में स्कूल की गतिविधियाँ तात्कालिक रूप से स्थगित कर दी गयीं।

वर्ष 1971 में पुनः अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल को नैनीताल के वर्तमान परिसर में स्थापित कर दिया गया. नैनीताल में आयुक्त स्तर के अधिकारी को इस स्कूल का पूर्णकालिक प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया। वर्ष 1974 में स्कूल के नाम को परिवर्तित कर 'प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान' कर दिया गया। वर्ष 1976 से संस्थान के विभिन्न पदों के पदनाम भी बदल दिये गये। संस्थान में अब निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक तथा सहायक निदेशक नियुक्त किये गये। प्रशिक्षण के बदलते स्वरूप एवं संस्थान की बढ़ती हुई गतिविधियों को देखते हुए वर्ष 1988 में इसे प्रदेश का शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान घोषित किया गया तथा संस्थान की बढ़ती गतिविधियों एवं बदलते लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए इसका नाम परिवर्तित करते हुए इसे 'उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी' कर दिया गया।

9 नवम्बर, 2000 को उत्तराखण्ड के रूप में नए राज्य का गठन हुआ। राज्य गठन के पश्चात यह 'उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी' के रूप में स्थापित है एवं उत्तराखण्ड राज्य की शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्था के रूप में अपने दायित्वों को पूर्ण कर रही है। वर्तमान में अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है अकादमी वर्तमान में सम्मिलित राज्य सेवा के अधिकारियों हेतु आधारभूत/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा), भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग), भारतीय वन सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग) के अधिकारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रही है। इनके अतिरिक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.), भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) तथा भारत सरकार व प्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए सेवाकालीन तथा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

उत्तराखण्ड राज्य द्वारा उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित सभी अधिकारियों के लिए एक माह का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है। सेवा प्रवेश प्रशिक्षण का उद्देश्य उत्तराखण्ड राज्य की चुनौतियों तथा अवसरों के बारे में नव–नियुक्त अधिकारियों को अद्यतन सूचना से अवगत कराना तथा उनमें प्रबन्धकीय कौशल का विकास करना है, जिससे वे अपने–अपने क्षेत्रों में गुणात्मक सेवाएँ प्रदान कर सकें, तथा उनमें उत्तराखण्ड राज्य की सामाजिक–आर्थिक, साँस्कृतिक एवं राजनीतिक व्यवस्थाओं के संदर्भ में उचित समझ विकसित हो सके। अकादमी द्वारा राज्य के

अधिकारियों के क्षमता विकास हेतु अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिससे वह सुयोग्य, व्यावसायिक एवं प्रतिबद्धतापूर्ण लोक सेवक के रूप में राज्य के विकास में सहयोग दे सकें। अकादमी द्वारा कई ऐसे विभागों के लिए भी क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिनके पास संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित करने की सुविधाएँ नहीं हैं या कार्मिकों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण सीमित संसाधनों से प्रशिक्षण की व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं।

अकादमी द्वारा प्रशिक्षण प्रभाग, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड राज्य के अधिकारियों हेतु विभिन्न सामयिक विषयों एवं क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वर्तमान स्थितियों के सापेक्ष प्रशिक्षण की आवश्यकता के दृष्टिगत अकादमी द्वारा प्रशिक्षक कौशल विकसित करने में सहायक कार्यक्रम जैसे Direct Trainer Skills, Design of Training, Evaluation of Training, Metoring Skills एवं Management of Training इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है।

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ का गठन कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी, नैनीताल में राज्य स्तर की इकाई के रूप में वर्ष 1995 में किया गया था। 09 नवम्बर, 2000 को उत्तराखण्ड के रूप में नए राज्य का गठन हुआ। राज्य के अधिकतर क्षेत्र भूकम्पीय जोन में होने के कारण शासन स्तर से आपदा प्रबन्ध एवं न्यूनीकरण केन्द्र की स्थापना की गई थी इसलिए यह केन्द्र भी देहरादून में आपदा प्रबन्ध एवं न्यूनीकरण केन्द्र में ही सम्मिलित कर लिया गया था। परन्तु उद्देश्यों में अन्तर होने की वजह से पुनः प्रमुख सचिव, आपदा प्रबधंन एवं पुर्नवास अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन के दिनांक 30 जून 2006 के आदेश के अनुपालन में जुलाई 2006 में आपदा प्रबन्ध प्रकोष्ठ पुनः उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में स्थापित किया गया। आपदा प्रबन्ध प्रकोष्ठ का कार्य मुख्यतः दैवी आपदाओं के सम्बन्ध में सूचनाओं का संकलन, डॉक्युमेन्टेशन, आपदा प्रबन्ध के सम्बन्ध में एक्शन प्लान का निर्धारण, पूर्व तैयारी, जागरुकता तथा प्रशिक्षण, कन्सलटेन्सी, शोध तथा क्षमता विकास इत्यादि को सम्पादित करना हैं।

अकादमी का मुख्य परिसर आर्डवैल कैम्प, मल्लीताल, नैनीताल में स्थित है। संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में अकादमी में मुख्य सचिव स्तर के आई.ए.एस. अधिकारी,

महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जिन्हें विभागाध्यक्ष के समस्त अधिकार प्राप्त हैं। आलोच्य वर्ष में अकादमी में विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ अकादमी संकाय सदस्यों के रूप में राज्य सिविल सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त निदेशक के रूप में, व विषय विशेषज्ञ एवं राज्य सेवा के अधिकारी उप–निदेशक के रूप में कार्यरत रहे। अकादमी में कार्यरत संकाय सदस्यों को अपने–अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता एवं पर्याप्त अनुभव प्राप्त है।

Our Vision

To become a self-sustaining, proactive and leading organisation-offering quality capacity building (training and advisory) service in the field of public administration and development initiatives in a competitive environment.

Our Mission

We work for the capacity building of civil servants, professionals, development functionaries and elected people's representatives.

हमारी संकल्पना

हम लोक प्रशासन एवं विकास में संलग्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों के क्षमता विकास के क्षेत्र में (प्रशिक्षण एवं परामर्श) सेवाएँ प्रदान करने वाली एक आत्मनिर्भर, अग्रणी एवं उत्कृष्ट संस्था बनने की संकल्पना करते हैं।

हमारा ध्येय

हम लोक सेवकों, व्यावसायिकों, विकास कार्मिकों एवं जन–प्रतिनिधियों में कुशल कार्य निष्पादन हेतु क्षमता विकास का कार्य करते हैं।

अकादमी की विभिन्न संगठनात्मक इकाईयाँ/अनुभाग

पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र

पुस्तकों के माध्यम से मानव अपने दृष्टिकोणों, विचारों, कल्पनाओं एवं अनुभवों तथा स्वप्नों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सम्प्रेषित करता है। बौद्धिक एवं साहित्यिक अभिवृद्धि के आधार से पुस्तकालय भविष्य का निर्माण का एक सोपान हैं। ये अतीत की कड़ी होने के साथ ही वर्तमान से भविष्य की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करता है। पुस्तकालय जैसी संस्था वर्तमान प्रजातंत्रीय युग की एक अभूतपूर्व देन है। किसी भी संस्था के सर्वांगीण विकास का आधार साक्षरता तथा शिक्षा का प्रसार है, किसी भी देश अथवा प्रदेश की सामाजिक, राजनैतिक, बौद्धिक और आर्थिक स्तर को समृद्ध करने में पुस्तकालयों का अपना एक महत्वपूर्ण योगदान होता है। पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र किसी भी संस्था की महत्वपूर्ण इकाई होती है। पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र में प्रशिक्षण, शोध तथा विभिन्न विषयों से संबंधित प्रलेखों का संकलन हाने के साथ संस्थान में होने वाली समस्त अकादमिक गतिविधियों का लेखा–जोखा भी, प्रलेखन कार्य के रूप में करते हुए सुरक्षित रखा जाता है।

अकादमी पुस्तकालय को अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक के अलावा आई.एम. एफ., आई.एल.ओ. तथा यूनाइटेड नेशन्स, आई.सी.मोड के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं से उनके प्रकाशन निःशुल्क प्राप्त होते हैं। अकादमी पुस्तकालय का उपयोग प्रतिवर्ष लगभग 3,000 से 4,000 के मध्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा विशिष्ट पाठकों द्वारा किया जाता है। अकादमी का पुस्तकालय पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत है।

वित्तीय वर्ष 2022–2023 में पुस्तकालय के कम्यूटरीकरण की दिशा में अकादमी द्वारा पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र के पुराने साफट्वेयर LIBSYS-4 के स्थान पर Natioanl Informatic Centre (NIC), Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India द्वारा विकसित Library automation software : E-Granthalaya-4-0 on Cloud का क्रय कर लिया है। नवम्बर 2020 से अकादमी को प्राप्त सभी नवीन प्रलेंखों को नये साफट्वेयर पर दर्ज किया जा रहा ह।

पुस्तकालय प्रातः 09:00 से सायंकाल 6:00 बजे तक नियमित रूप से पाठकों के ज्ञानार्जन हेतु खोला जाता है।

दिनाँक 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष में अकादमी पुस्तकालय में प्रलेखों तथा जिल्दबन्द पत्रिकाओं को शामिल करते हुये कुल 96081 प्रलेख अभिलेखों में दर्ज हैं तथा वित्तीय वर्ष 2022–2023 में ई.जी. के 426, हिन्दी के 173, बाउण्ड पत्रिकाओं के 135, डिजिटल प्रलेख 450 तथा 44 सी.डी. रिपोर्ट्स सहित कुल 1228 प्रलेखों की वृद्धि हुई।

1.	परिग्रहण पंजिका अंग्रेजी	EG	41541
2.	परिग्रहण पंजिका हिन्दी	H	14475
3.	परिग्रहण पंजिका लॉ	EL	16085
4.	जिल्द बन्द लॉ जर्नल्स	BLJ	2500
5.	जिल्द बन्द पत्रिकाएं	BP	2801
6.	विश्व बैंक प्रकाशन	WB	8182
7.	परिग्रहण पंजिका सी.डी.	CD	635
8.	श्री बलराज पासी संकलन		158
9.	सी.डी. रिपोर्ट्स		1355
10.	सी.डी. रोम्स		2300
11.	अन्य प्रलेख		5000
12.	फोटो एलबम		600
13	डिजिटल प्रलेख		450
	कुल योग		**96082**

पुस्तकों की खोज में पाठकों को आसानी हो इसके लिए पुस्तकालय द्वारा प्रत्येक पुस्तक का बारकोड भी तैयार कर पुस्तक पर लगाया जा रहा है। अकादमी पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र के प्रयोग हेतु अकादमी में कार्यरत समस्त संकाय अधिकारी, प्रशिक्षणार्थी अधिकारी तथा कर्मचारी सदस्यता का पंजीकरण करवा सकते हैं।

पुस्तकालय के अभिलेखों के वर्गीकरण एवं सूचीकरण के कार्य कम्प्यूटर के माध्यम से सम्पादित किया जा रहा है। वर्गीकरण के लिए Dewey Decimal Classification DDC-22 and 23rd Edition एवं सूचीकरण के लिए AACR-II का प्रयोग किया जा रहा है। अकादमी पुस्तकालय लैन के माध्यम से जुड़ा हुआ है। दिनाँक 31 मार्च, 2023 तक प्राप्त सभी प्रलेखों को वर्गीकृत कर कम्प्यूटर में दर्ज कर दिया गया है।

आलोच्य वर्ष 2022–23 में प्रशिक्षुओं को डिजिटल प्रलेखों के साथ–साथ ई–मेल और वेब आधारित अन्य पाठ्य सामग्री के उपयोग की सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था करने के लिए अकादमी पुस्तकालय में 2 Workstation की स्थापना की गई है। इसमें उच्च क्षमता के 2 आधुनिक कम्प्यूटर लगाये गये है। इनमें लगभग 400 से अधिक डिजिटल प्रलेखों के साथ–साथ आईसीमोड, विश्व बैंक की ई– लाईब्रेरी के निःशुल्क लगभग 40 हजार से अधिक डिजिटल प्रलेखों को सर्च करने की सुविधा प्रदान की गई है। अकादमी पुस्तकालय द्वारा Economic and Political Weekly Journal-Online and Offline subscription के साथ–साथ 5 वर्षों के डाटाबेस के उपयोग की सुविधा भी पाठकों के लिए उपलब्ध करवाई जा रही है।

कम्प्यूटर अनुभाग

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में लगभग सभी अनुभागों में कम्प्यूटर का प्रयोग दिन–प्रतिदिन के कार्यों में किया जा रहा है। स्टोर, लेखा, अधिष्ठान, मैस, पुस्तकालय एवं प्रशिक्षण इत्यादि सभी अनुभागों में कम्प्यूटर की व्यवस्था एवं देखभाल इस अनुभाग द्वारा किया जाता है। कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट का रखरखाव भी इस अनुभाग की देख–रेख में किया जाता है।

कम्प्यूटरीकरण की दिशा में अकादमी पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र का सम्पूर्ण कम्प्यूटरीकरण, स्टोर तथा लेखा अनुभाग के कम्प्यूटरीकरण की दिशा में काफी प्रगति हुई है। वर्तमान में अकादमी परिसर के प्रत्येक कार्यालय एवं प्रशिक्षण कक्ष में कम्प्यूटर स्थापित किये गये हैं। इस समय अकादमी के में लगभग 120 आधुनिक कम्प्यूटर व अन्य संबंधित उपकरण स्थापित हैं, साथ ही कम्प्यूटर संबंधी विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए चौखम्बा भवन के द्वितीय तल पर आधुनिकतम सुविधायुक्त कम्प्यूटर लैब व्यवस्थित है। कम्प्यूटर लैब में 20 कम्प्यूटर्स स्थापित किये गये हैं। अकादमी के सभी कम्प्यूटर्स लोकल एरिया नेटवर्क के माध्यम से परस्पर जुड़े हुए हैं जिनमें इन्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। अकादमी के अतिथि गृह तथा छात्रावासों में इन्टरनेट सुविधा से युक्त कम्प्यूटर्स अतिथि वार्ताकारों एवं प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को उपलब्ध करवाये गए हैं।

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा राज्य सरकार तथा भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। अकादमी में आयोजित किये जाने वाले

आधारभूत/व्यावसायिक/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कम्प्यूटर प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। अकादमी परिसर को पूर्णरूप से वाई–फाई से सुविधा उपलब्ध कराई गई है, साथ ही अकादमी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अकादमी परिसर को पूर्णरूप से सी.सी.टी.वी. कैमरे स्थापित कर दिये गये हैं।

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा अकादमी में आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित विडियो कान्फ्रेन्सिंग व्यवस्था स्थापित की गई है। जिसमें NIC तथा Cloud आधारित साफ्ट्वेयरों के माध्यम से विडियो कान्फ्रेन्सिंग सुविधा दी जा रही है। चर्चा कक्षों एवं संकाय सदस्यों को भी विभिन्न साफ्टवेयरों के माध्यम से विडियो कान्फ्रेन्सिंग कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा ही संचालित कराई जाती हैं।

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा अकादमी में विभिन्न स्थलों पर स्थापित Signages का भी रखरखाव किया जाता है जिसके माध्यम से सूचनाऐं एवं चित्र का 24x7 प्रदर्शन कर प्रतिभागियों को लाभान्वित एवं अद्यतन किया जाता है।

दृश्य–श्रृव्य अनुभाग

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए चर्चा कक्षों में उपयुक्त वातावरण तैयार करने तथा दृश्य–श्रव्य उपकरणों की व्यवस्था करने के लिए अकादमी में दृश्य–श्रव्य अनुभाग की स्थापना की गई है। इस अनुभाग में नवीन दृश्य–श्रव्य उपकरण तथा चर्चा कक्षों की गतिविधियों का चित्रांकन, डाटा प्रोजेक्टर्स, ओवर हेड प्रोजक्टर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम इत्यादि नवीनतम उपकरणों की व्यवस्था इस अनुभाग द्वारा की जाती है। इस अनुभाग के माध्यम से अकादमी में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य गतिविधियों का चित्रांकन/रिकार्डिंग आदि कर एल्बम एवं सी0डी0 के रूप में सन्दर्भ हेतु संकलित किया जाता है।

स्टोर अनुभाग

अकादमी के स्टोर अनुभाग द्वारा अकादमी के विभिन्न पटलों/अनुभागों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु मांग आधारित सामग्री का क्रय कर उपलब्ध कराया जाता है। स्टोर की स्थापना से प्राप्त एवं निगर्त की जाने वाली सामग्री की सूचना रिजिस्टरों एवं पत्रावलियों में रखे जाने की व्यवस्था लागू थी। वर्ष 2022–2023 मे अकादमी द्वारा स्टोर की सामग्री से

संबंधित डाटा को कम्प्यूटरीकृत रूप से संग्रह करने की दिशा मे कार्य किया गया, जिसके अन्तर्गत स्टोर विभाग हेतु मल्टी यूजर सॉफ्टवेयर का क्रय तथा उसमें अकादमी की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुये वांछित परिवर्तन कराये गये। अकादमी द्वारा अपने कार्मिकों को स्थापित किये गये सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर विस्तृत प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल विकसित कराया गया। सॉफ्टवेयर स्थापना के पश्चात् से स्टोर अनुभाग द्वारा अपने समस्त डाटा को सॉफ्टवेयर पर संग्रह किया जा रहा है तथा सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही विभिन्न प्रकार की वांछित रिर्पोटों को भी मुद्रित किया जा रहा है।

परिसर अनुभाग

परिसर अनुभाग अकादमी की समस्त चल–अचल सम्पत्तियों, आवासीय एवं अनावासीय भवनों का रख–रखाव तथा परिसर के सौंदर्यकरण एवं साफ–सफाई के लिए प्रतिबद्ध है। परिसर अनुभाग अकादमी में समस्त निर्माण कार्यों की समीक्षा एवं मूल्यांकन के लिए उत्तरदायी है। आलोच्य वर्ष 2022–23 में परिसर अनुभाग के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य किये जा रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में अकादमी में नवनिर्मित निर्माण कार्य/जीर्णोद्धार कार्यों का विवरण

1. अकादमी प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार एवं उच्चीकरणः– मा. मुख्यमंत्री घोषणा सं. 434/2020 उत्तराखण्ड शासन मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग–04 (घोषणा अनुभाग) के क्रम में अकादमी प्रेक्षागृह का उच्चीकरण कर उसमें 202 लोगों की बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों के लिए अले से एक बालकनी का निर्माण भी करवया गया है, जिसमें 10 अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था है।
2. "आल वेदर मल्टी यूज आउटडोर स्पोर्ट्स सर्फेस का निर्माण":–मा. मुख्यमंत्री घोषणा सं. 433/2020 उत्तराखण्ड शासन मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग–04 (घोषणा अनुभाग) के क्रम में "आल वेदर मल्टी यूज आउटडोर स्पोर्ट्स सर्फेस" का निर्माण का कार्य सम्पन्न हो गया है, जिसमें लॉन टैनिस, बॉलीवाल एवं बास्केटवाल की सुविधा उपलब्ध है।

3. अकादमी मैस का विस्तारीकरण कार्यः– अकादमी मैस का विस्तार करते हुए अकादमी मैस में 92 अधिकारियों के लिए एक साथ भोज की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त अकादमी प्रशिक्षण/सेमीनार में प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों के साथ आने वाले सुरक्षा कर्मियों/वाहन चालकों एवं अकादमी मैस स्टाफ हेतु अलग से 09 व्यक्तियों के क्षमता वाले अन्नपूर्णा भोजनालय का निर्माण किया गया है।
4. अकादमी अतिथि गृह के किचन का विस्तारीकरण कार्यः– अकादमी अतिथि गृह के किचन का विस्तार कर प्रतीक्षा कक्ष, डॉयनिग हॉल एवं केयर टेकर हेतु एक शौचालय युक्त कक्ष का निर्माण किया गया है।
5. अकादमी चौखम्भा भवन में स्थित कक्ष संख्या 12 वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल का उच्चीकरण किया गया।
6. अकादमी चर्चा कक्ष संख्या 10 (कैलाश) का आधुनिक सुविधायुक्त उच्चीकरण कार्य :– उक्त चर्चा कक्ष में पूर्व में 54 प्रशिक्षु अधिकारियों के बैठने की क्षमता थी, के स्थान पर वर्तमान में 96 प्रशिक्षु अधिकारियों के बैठने की क्षमता एवं आधुनिक सुविधायुक्त चर्चा कक्ष का उच्चीकरण कार्य।
7. अकादमी में आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु आर्टिफिशियल रॉक क्लाइबिंग वॉल का निर्माण कार्य।
8. राष्ट्रिय मानकों के अनुसार निर्मित 01 बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।
9. अकादमी गंगोत्री छात्रावास के लगभग 101 पुरानी/क्षतिग्रस्त जैट सैक्शन विण्डो का निकालकर नई यू.पी.वी.सी. विण्डों लगाने का कार्य।
10. अकादमी एवर्सले हाउस के प्रथम तल का मरम्मत कार्य गतिमान है।
11. अकादमी मुख्य द्वार एवं बॉउण्ड्री वॉल का उच्चीकरण/निर्माण कार्य गतिमान है।

आगामी वित्तीय वर्ष में गतिमान कार्य

1. अकादमी चौखम्भा भवन में संयुक्त निदेशक स्तर का शौचालय युक्त कार्यालय कक्ष का निर्माण कार्य

अकादमी परिसर अनुभाग का आगामी वर्षो में प्रस्तावित निर्माण कार्य

1. अखिल भारतीय सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागियों हेतु 24 सूट्स वाले न्यू एक्जीक्यूटीव हॉस्टल का निर्माण कार्य।
2. अकादमी परिसर के वैभरली कम्पाउण्ड में रिक्त लगभग 4000 वर्गफीट भूमि में संकाय अधिकारियों हेतु भूतल में पार्किगं सहित, प्रथम तल में टाईप–04 के 02 एवं प्रथम तल में टाईप –05 आवासों का निर्माण कार्य।
3. अकादमी परिसर के जानह्वी भवन के प्रथम तल में लगभग 100 प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु आधुनिक चर्चा कक्ष का निर्माण कार्य।

अकादमी मंदाकिनी भवन (सी.जी.जी. कार्यालय) के प्रथम तल में महानिदेशक/निदेशक एवं संकाय अधिकारियों का कार्यालय कक्ष का निर्माण कार्य।

प्रशिक्षण समन्वय इकाई

अकादमी द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों एवं इनमें प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों की विशाल संख्या को ध्यान में रखते हुए एवं आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के सफल आयोजन एवं समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से वर्ष 1999 में अकादमी द्वारा 'प्रशिक्षण समन्वय इकाई' (टी.सी.यू.) का गठन किया गया।

प्रशिक्षण समन्वय का मुख्य उद्देश्य अकादमी के विभिन्न संकाय एवं सी.जी.जी. के विभिन्न प्रोजेक्ट मनैजमेन्ट यूनिटस के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना है, जिससे कि आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों को सफल बनाया जा सके। प्रशिक्षण समन्वय यूनिट द्वारा प्रशिक्षार्थी अधिकारियों की सुविधा हेतु प्रत्येक गतिविधि आयोजन के एक माह पूर्व योजना निर्धारित की जाती है। इस योजना को क्रियान्वित करने हेतु एक सूचना–पत्र जिसे 'विन्डो कैलेण्डर' कहा जाता है, को प्रस्तावित गतिविधि सप्ताह के पूर्व सप्ताह में निर्गत किया जाता है, इस सूचना के माध्यम से स्वागत,

मैस, छात्रावास, दृश्य–श्रव्य, क्रीड़ा इत्यादि टीम लीडरों से यह अपेक्षा की जाती है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम अथवा सम्बन्धित गतिविधियों के आयोजन से सम्बन्धित समस्त तैयारियों को समय से पूर्ण कर लें।

'वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर' एवं 'वार्षिक प्रतिवेदन' का लेखन, डिजाइन एवं प्रकाशन का समस्त कार्य प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा किया जाता है। प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा प्रतिभागियों की आवासीय व्यवस्था, चर्चा कक्षों की व्यवस्था तथा उससे जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं का समन्वय एवं आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्बन्धित कार्यक्रम निदेशकों के मध्य समन्वय स्थापित करने का कार्य भी किया जाता है, जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा चर्चा कक्षों का आवंटन, छात्रावास की स्थिति तथा कार्यक्रमों के मध्य में सभी सम्बद्ध पक्षों से वार्ता कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता है।

प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा अकादमी, डी.एम.सी., सी.जी.जी. द्वारा आयोजित प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रशिक्षण से संबंधित डाटाबेस भी इस प्रकोष्ठ द्वारा संकलित कर प्रत्येक माह उसकी प्रगति आख्या शासन स्तर को प्रस्तुत की जाती है। इसके अलावा अकादमी द्वारा आयोजित आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रशिक्षार्थियों से संबंधित अभिलेखों का रख–रखाव भी टी.सी.यू. के द्वारा किया जाता है।

प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा प्रत्येक वर्ष दिसम्बर माह में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को अनुमोदन हेतु प्रेषित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय से प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रस्तावों को आमंत्रित कर संकलित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अकादमी स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर भारत सरकार को प्रेषित करने का कार्य भी निष्पादित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से अनुमोदित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को ससमय अकादमी स्तर पर आयोजित करने हेतु संकाय से समन्वय भी किया जाता है।

आलोच्य वर्ष में अकादमी तथा सी.जी.जी. द्वारा संचालित समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुगम संचालन में प्रशिक्षण समन्वय इकाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रभारी अधिकारी (टी.सी.यू.) के मार्गदर्शन में समन्वयक, प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा सफलतापूर्वक इस कार्य को किया जा रहा है।

अकादमी आफिसर्स मैस, अतिथि गृह तथा छात्रावास

अकादमी में विभिन्न उत्कृष्ट उपकरणों में सुसज्जित मैस है। इसमें एक समय में 150 व्यक्तियों के भोजन की व्यवस्था की जा सकती है। मैस में भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यह सम्पूर्ण व्यवस्था मैस प्रबन्धक की देख–रेख में की जाती है। व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु मैस विंग बनाया गया है। मैस के उचित संचालन के लिए अकादमी संकाय सदस्यों में से एक सदस्य को प्रभारी अधिकारी (मैस) का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, जिनके अधीन मैस प्रबन्धक एवं एक मैस सुपरवाईर भी नियुक्त किया गया है। वर्तमान में 01 मैस सुपरवाइजर सहित कुल 19 कार्मिकों द्वारा अपने–अपने स्तर से योगदान दिया जा रहा है। मैस के सामने ही अकादमी का लाउन्ज स्थित है जिसका उपयोग महत्वपूर्ण समारोहों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विशिष्ट अतिथियों के आगमन, स्वागत व विशेष भोज के अवसरों पर किया जाता है। भोजन को प्रस्तुत करने हेतु मैस में वैनमैरी लगाये गये हैं जिससे आगन्तु अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया जा सके। अतिथियों हेतु कॉफी मशीन भी स्थापित की गयी है जिसमें आगन्तु अतिथियों की आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की कॉफी का आनन्द लिया जाता है। इसके अतिरिक्त एक नया एक्जयूक्यूटीव डॉयनिग हॉल बनाया गया है, जिसमें 25–30 लोग एक साथ भोजन कर सकते है, साथ ही मैस के पीछे कार्मिकों हेतु अन्नपूर्णा भोजनालय का निर्माण भी अकादमी द्वारा किया गया है। बदलते हुए परिदृश्य एवं मॉग के अनुरूप अकादमी की सेवाओं एवं सुविधाओं में गुणवत्ता बनाये रखना तथा इनका रख–रखाव एक बड़ी चुनौती है। अकादमी मैस ने प्रारम्भ के वर्षों में इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया है, तथा खान–पान की सेवाओं के क्षेत्र में हुई प्रगति, मशीनीकरण व तकनीकी विकास और लोगों के खान–पान की आदत में आए परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में ढालने का निरन्तर प्रयत्न किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कक्ष तथा प्रेक्षागृह

अकादमी के त्रिशूल भवन तथा चौखम्भा भवन में कुल 08 चर्चा कक्ष विद्यमान है। सभी चर्चा कक्षों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। वर्तमान में चौखम्भा भवन में स्थित कक्ष संख्या 10 का पुनर्निर्मित कर आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है तथा अकादमी स्थित त्रिशूल एवं चौखम्भा भवन के सभी चर्चा कक्षों को उत्तराखण्ड

के विभिन्न पर्वत शिखरों के नाम से सुशोभित किया गया है। अकादमी के त्रिशूल भवन में ही आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रेक्षागृह भी है। जिसमें एक समय में 212 व्यक्तियों के बैठने की आरामदायक व्यवस्था है। इस प्रेक्षागृह का उपयोग प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों के अतिरिक्त प्रशिक्षार्थी अधिकारियों के द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिये किया जाता है।

क्रीड़ा एवं खेल–कूद सुविधाएँ

अकादमी परिसर में स्थित 'भागीरथी' जो एक ऐतिहासिक भवन है, में स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स स्थापित है। इसमें बिलियर्ड, बैडमिन्टन, टेबल टैनिस, भारोत्तोलन, व्यायाम, शतरंज, कैरम इत्यादि की सुविधाएँ स्थापित है। आउटडोर गतिविधियों के लिए साईकिलिगं, अभ्यास क्रिकेट पिच तथा एक Multi-purpose all weather court जिसमें लॉन टैनिस, बास्केटबाल तथा वालीबाल की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

इन सुविधाओं में सहायता प्रदान करने के लिये पी.टी.आई. एवं क्रीड़ा सहायक भी अकादमी में नियुक्त हैं। संदर्भित वर्ष के दौरान दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों द्वारा सत्रान्त तक निरन्तर खेल–कूद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सभी दीर्घकालीन प्रशिक्षणों के प्रतिभागियों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं और विजेता प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया। अकादमी में खेल–कूद व योगा इत्यादि की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इन्डोर व आउटडोर खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न अवस्थापनाओं का विकास निरंतर किया जा रहा है। आलोच्य वर्ष में एक अतिरिक्त बैडन्टिन कोर्ट तथा क्लाईम्बिगं वाल का निर्माण हुआ है। आगामी वर्षो में इसका लाभ प्रशिक्षु अधिकारियों को उपलब्ध हो जायेगा।

अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियाँ तथा अन्य विवरण

अकादमी में आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का तुलनात्मक विवरण

आलोच्य वर्ष 2022–23 में कुल 106 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तराखण्ड एवं देश के अन्य प्रान्तों के कुल 4220 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसमें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, तथा उत्तराखण्ड सरकार के विभिन्न विभागों सहित राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, शहरी विकास मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम/सेमिनार इत्यादि सम्मिलित हैं। उल्लेखनीय है कि गतवर्ष 2021–22 में इसी अवधि में कुल 73 प्रशिक्षण कार्यक्रमों (19 Online and 54 Class Room training programmes) एवं अन्य संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल 2181 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। तुलनात्मक रूप से गतवर्ष की अपेक्षा वित्तीय वर्ष 2022–23 में अकादमी का प्रदर्शन* काफी अच्छा रहा।

S. No.	Programme Category	No. of Programmes Conducted		No. of Participants	
		2021-22	2022-23	2021-22	2022-23
Department of Personnel and Training (DoPT)					
1.	Trainer Development Programme (TDP)	09	06	131	91
2.	State Category Training Programme (SCTP)	19	24	570	643
Government of India/State Government and DMC					
1.	Government of India Programme (IFS/IAS/All India Services)	01	01	35	22
2.	State Government Training Programme	14	37	295	1828
3.	Disaster Management Cell	13	13	640	971
Centre for Good Governance					
1.	Documentation and Coordination Unit	01	08	15	220
2.	Urban Development Cell	05	10	167	220
3.	KRC-Water and Sanitation Unit	11	06	328	173
4.	Gender Issues Cell	-	01	-	52
	TOTAL	73	106*	2181	4220*

* वित्तीय वर्ष 2022–23 में अकादमी द्वारा कुल 106 प्रशिक्षण कार्यक्रम (7 Online and 99 Class Room training programmes) आयोजित किये गये, जिसमें कुल 4220 प्रतिभागियों द्वारा अकादमी में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया। आलोच्य वर्ष 2022–23 में वर्ष 2021–22 की तुलना में 45 प्रतिशत से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जबकि लगभग 90 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागियों द्वारा अकादमी में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया। वित्तीय वर्ष 2022–23 में अकादमी द्वारा औसत रूप से प्रतिमाह लगभग 8.83 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जबकि प्रति प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों का औसत लगभग 39.81 रहा।

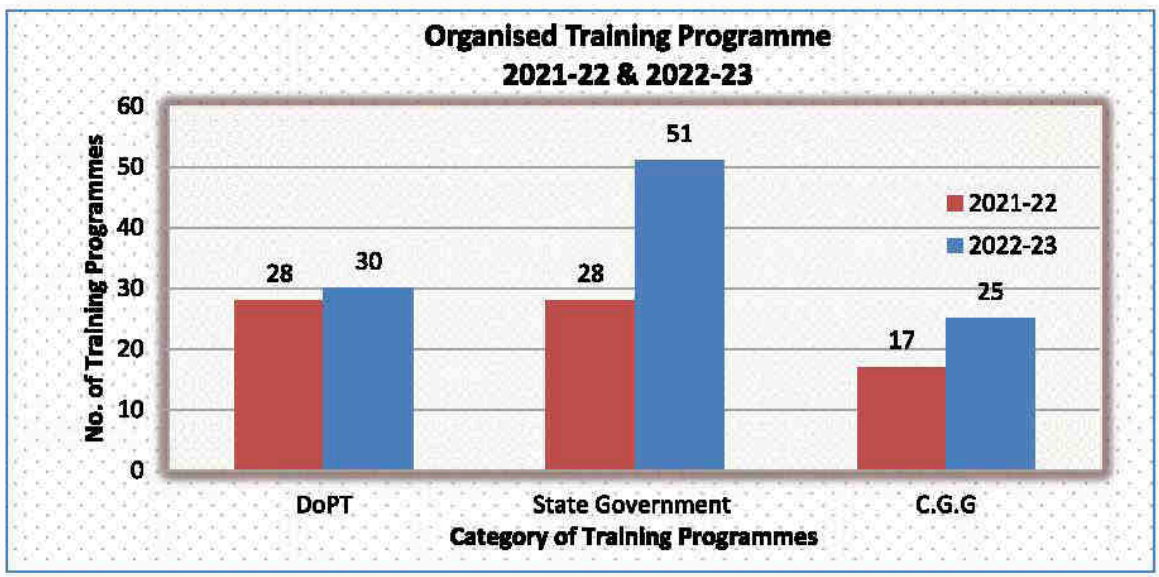

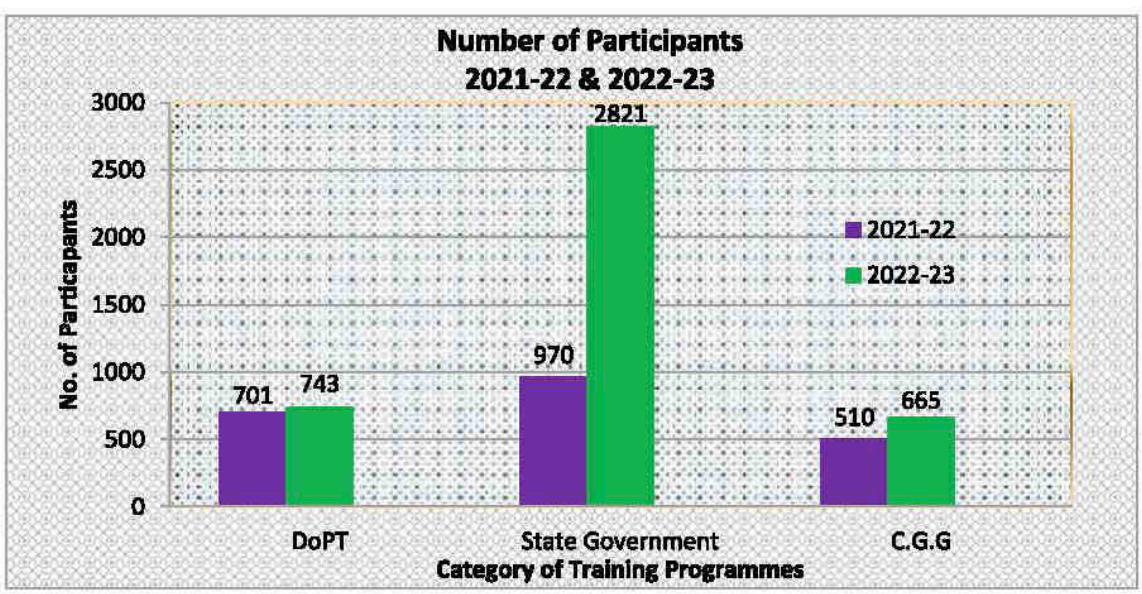

वित्तीय वर्ष 2022–23 की प्रमुख प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रदेश के समग्र विकास के लिये, विभिन्न विभागों/संगठनों, लोकतांत्रिक निकायों, जन प्रतिनिधियों, सरकारी तथा गैर–सरकारी प्रतिष्ठानों में कार्यरत कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रदेश के विकास में इन संस्थानों की कुशलता और प्रभाविकता इनमें कार्यरत कार्मिकों की कार्यकुशलता एवं योग्यता पर निर्भर करती है। संदर्भित वर्ष में अकादमी व परियोजना आधारित प्रशिक्षणों को संचालित करने के उद्देश्य से अकादमी में स्थापित सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्बन्धित गतिविधियों से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी पृथक रूप से दी गई हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लक्ष्य

- ❖ कार्मिकों में बेहतर कार्य निष्पादन हेतु व्यावहारिक ज्ञान एवं क्षमता विकास।
- ❖ बदलती सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिस्थितियों में संवेदनशील और उत्तरदायित्वपूर्ण क्षमता का विकास।
- ❖ गैर सरकारी/स्वयंसेवी संस्थानों व निर्वाचित जन–प्रतिनिधियों की क्षमता का विकास।
- ❖ प्रशिक्षण आयोजना एवं संरचना का विकास ताकि समूह क, ख के सभी लोकसेवकों को प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त हो सकें।
- ❖ सामयिक विषयों पर कार्यशालाओं, संगोष्ठी और सम्मेलनों के आयोजन से विचारों का आदान–प्रदान, विचार–विश्लेषण एवं संवाद।

अकादमी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

- **व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम**

अखिल भारतीय सेवा के प्रशिक्षार्थी अधिकारियों हेतु आयोजित किये जाने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को सम्बन्धित कार्यक्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए उनकी क्षमता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उद्देश्यों में प्रशिक्षार्थियों में निर्णय क्षमता के विश्लेषणात्मक पक्षों का विकास, विकास कार्यक्रमों की समस्याओं के समाधान में कौशल एवं क्षमतापूर्वक दायित्व निर्वहन एवं नवसृजित राज्य उत्तराखण्ड की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों से उन्हें अवगत करना सम्मिलित है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत, सिविल एवं

राजस्व विधि, नियोजन एवं विकास, कृषि संरचना एवं ग्राम्य विकास तथा विधिक निर्णय लेखन आदि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। मुख्य रूप से भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की कार्यक्षमता व कौशल में वृद्धि के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय वन सेवा (आई.एफ.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु अकादमी द्वारा पाँच सप्ताह तथा अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु 9.3 सप्ताह तथा प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों हेतु 10–सप्ताह के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन किये जाने का प्रावधान है।

आलोच्य वर्ष 2022–2023 में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु 20वाँ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के 03 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	20th Professional Course for IAS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre	12 Weeks	26/9/2022	30/11/2022	V.K.Singh Dy.Director	03
Total number of Participants						**03**

- आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम

आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को प्रदेश तथा सम्बन्धित कार्यक्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करना होता है। चूँकि आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नवागत अधिकारियों के लिए किया जाता है, इसलिए इस कार्यक्रम में ऐसे कार्यक्रमों का समायोजन किया जाता है जो एक व्यक्ति को देश एवं प्रदेश के आवश्यकतानुसार कार्य करने के लिए तैयार कर सकें।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

- ❖ शासन–प्रशासन तंत्र की आवश्यकताओं व जन अपेक्षाओं के अनुरूप परिवीक्षाधीन अधिकारियों की क्षमताओं और प्रबन्ध कौशल को विकसित करना।
- ❖ प्रदेश की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के बीच सामंजस्य एवं सौहार्द स्थापित करना।
- ❖ प्रतिभागियों को सरकारी कार्य प्रणाली में लागू सिद्धातों और कार्य–प्रणालियों से परिचित कराना।
- ❖ प्रतिभागियों को सरकारी प्रणाली में प्रबन्ध सम्बन्धी प्रक्रियाओं और तकनीकों से परिचित कराना।
- ❖ प्रतिभागियों को लोक प्रशासन में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवेश की चुनौतियों के विश्लेषण व समाधान की क्षमता विकसित करने में सहायता करना।

- पाठ्यक्रम

आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात् परिवीक्षाधीन अधिकारियों से निम्नलिखित क्षेत्रों में दक्षतापूर्वक कार्य करने की अपेक्षाएँ की जाती हैं:–

- ❖ संविधान, सेवा नियम तथा अनुशासनिक कार्यवाही।
- ❖ लोक संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार।
- ❖ विधि एवं विधि व्यवहार।
- ❖ वित्त एवं लेखा।
- ❖ कार्यालय प्रबन्ध एवं प्रक्रिया।
- ❖ प्रबन्ध एवं मानव संसाधन विकास।
- ❖ विकास, ग्राम विकास, नगर विकास एवं विकेन्द्रीकृत नियोजन तथा कम्प्यूटर दक्षता।
- ❖ क्षेत्र एवं अध्ययन भ्रमण।

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा कोई परिणाम घोषित न होने के कारण अकादमी द्वारा आलोच्य वर्ष 2022–2023 में कोई आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम नही अयोजित किया गया।

- सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तराखण्ड शासन द्वारा दिनाँक 17 जनवरी, 2003 को प्रेषित पत्र (संख्याः 1833 एक–1–2003) द्वारा राज्य के समस्त विभागों एवं अकादमी, नैनीताल को यह सूचित किया गया था कि उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग से चयनित समस्त अभ्यर्थियों को (राज्य स्तरीय सेवाओं से भिन्न) कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व अनिवार्य रूप से आधारभूत/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कोर्स अकादमी, नैनीताल में प्राप्त करना होगा जिससे कि नवचयनित अधिकारियों को उनकी सेवाओं से सम्बन्धित कर्त्तव्यों एवं दायित्वों से परिचित कराया जा सके।

उत्तराखण्ड शासन द्वारा नवचयनित अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से दिया गया उपरोक्त आदेश/पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, कि नव–नियुक्त लोक सेवकों से जन अपेक्षाओं के संदर्भ में अधिक संवेदनशील एवं उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। शासन तंत्र द्वारा इस सम्बन्ध में अनेकों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पहल की गई है। तेजी से बदलते हुए परिवेश में, विशेषकर उत्तराखण्ड की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध अवसरों, समस्याओं एवं चुनौतियों के संदर्भ में, समस्त नव–नियुक्त अधिकारियों से संविधान द्वारा स्थापित मूल्यों एवं सिद्धान्तों, लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहते हुए विशेषज्ञतापूर्ण सेवायें प्रदान करने की अपेक्षा की जा रही हैं।

उत्तराखण्ड राज्य के समूह 'ख' तथा 'ग' के समस्त ऐसे अधिकारियों/कार्मिकों जिनके द्वारा सेवा में प्रवेश के समय किसी भी प्रकार का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया गया है के लिए एक माह का अनिवार्य सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पूर्व से सेवारत् अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मिड कैरियर प्रशिक्षण उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के माध्यम से आयोजित किये जाने हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी शासनादेश संख्या : 450/ XXX (2)/2014 दिनाँक : 3 नवम्बर, 2014 के संदर्भ में सेवा प्रवेश प्रशिक्षण तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु अकादमी निरन्तर प्रयासरत् है। इस क्रम में राजपत्रित श्रेणी के अंतर्गत अकादमी में आयोजित किए जाने वाले सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संदर्भ में आलोच्य वर्ष में नव–नियुक्त चिकित्साधिकारियों को समस्त आवश्यक प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य विषयों के सन्दर्भ में ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि के लिए 45वॉ, 46वॉ तथा 47वॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण एवं

अराजपत्रित श्रेणी में लोक निर्माण विभाग तथा सिंचाई विभाग के अवर अभियन्ताओं हेतु 52वॉ व 53वॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया।

सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम के लक्ष्य निम्नांकित हैं

- ❖ उत्तराखण्ड की सामाजिक, आर्थिक एव सांस्कृतिक परिस्थितियों से नव–नियुक्त अधिकारियों को परिचित कराना।
- ❖ नव–नियुक्त अधिकारियों को एक कुशल लोक–सेवक की भूमिका के निर्वहन करने हेतु उनमें प्रबन्धन एवं प्रशासकीय क्षमताओं को विकसित करने के अवसर प्रदान करना।
- ❖ विकास में विशेषज्ञतापूर्ण, प्रशासनिक एवं मानवीय मूल्यों की आवश्यकता एवं महत्व की समझ के विकास के अवसर प्रदान करना।
- ❖ सूचना तकनीकी के वर्तमान परिवेश में महत्व, योग सम्बन्धित जानकारी से अवगत कराना एवं आवश्यक सम्बन्धित क्षमताओं को विकसित करने के अवसर प्रदान करना।

आलोच्य वर्ष 2022–2023 में लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नवागत राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमो का आयोजन किया गया:–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	51st Induction Training Programme for JEs' of Irrigation Department (Non-Gazetted)	1-Month	18/4/2022	17/5/2022	Dinesh K Rana	36
2.	45th Induction Training Programme for Ayurvedic Doctors	1-Month	8/8/2022	6/9/2022	D.K.Rana	39
3.	52nd Induction Training Programme for JE's of PWD of Uttarakhand	1-Month	31/10/2022	30/11/2022	N.S.Nagnayal	37
4.	46th Induction Training Programme for Ayurveda Doctors	1-Month	05/12/2022	03/01/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	36
5.	53rd Induction Training Programme for JE's of Irrigation Department of Uttarakhand	1-Month	05/1/2023	03/02/2023	Dinesh Kumar Rana	32
6.	47th Induction Training Programme for Ayurveda Doctors	1-Month	27/2/2023	28/3/2023	Sudhir Kumar	38
Total number of Participants						218

- राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्प अवधि तथा आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तराखण्ड शासन द्वारा 'डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' को राज्य के शीर्षस्थ संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। वर्तमान समय में, अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में प्रशिक्षण के माध्यम से गुणवत्ता विकास हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखण्ड शासन की प्राथमिकताओं एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु, उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत कार्यरत् अधिकारियों एवं कार्मिकों को दक्ष बनाने के उद्देश्य के साथ, अकादमी में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों व अन्य गतिविधियों में तद्नुसार निरन्तर बेहतर किए जाने के प्रयास अकादमी स्तर पर किये जा रहे हैं, जिससे कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सार्थक बनाया जा सके।

अकादमी लोकसेवा आयोग द्वारा चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आधारभूत प्रशिक्षण (12 सप्ताह), व्यावसायिक प्रशिक्षण (10 सप्ताह), तथा सेवा प्रवेश प्रशिक्षण (04 सप्ताह) कार्यक्रमों का निरन्तर आयोजन करती है। अकादमी द्वारा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार को विभिन्न Thematic प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रस्ताव प्रेषित करती है, जो कि सीमित मात्रा में अनुमोदित किये जाते हैं। इस वर्ष अकादमी द्वारा राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अल्प अवधि के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम यथा वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंध, नेतृत्व एवं समय प्रबंधन, अभिप्रेरण एवं माँग आधारित अन्य विषयों पर 3 दिवसीय व 5 दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया था। उक्त के क्रम में अकादमी द्वारा इस वर्ष राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए 11 विभिन्न Thematic प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा जनपद स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, ताकि कम संसाधनों में अधिक से अधिक अधिकारियों/कार्मिकों को प्रशिक्षण का लाभ प्रदान किया जा सके। आलोच्य वर्ष 2022–2023 में उत्तराखण्ड राज्य के राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु राज्य के कुल 4 जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, हरिद्वार व देहरादून में 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आलोच्य वर्ष 2022–2023 में उत्तराखण्ड राज्य के राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Orientation Training Programme on Legal Issues	2-Days	13/7/2022	14/7/2022	V.K.Singh	39
2.	E-Governance and Digital India	3-Days	17/11/2022	19/11/2022	V.K. Singh	39
3.	Good Governance	4-Days	30/11/2022	03/12/2022	Dr. Manju Dhoundhiyal	20
4.	Finance and Office Management	5-Days	05/12/2022	09/12/2022	Dinesh Kumar Rana	21
5.	Total Quality Management-A tool for Sevottam	3-Days	08/12/2022	10/12/2023	Poonam Pathak and Sudhir Kumar	33
6.	Training Programme on Medico-Legal issues for Medical Officers	3-Days	12/12/2022	14/12/2022	Poonam Pathak and Sudhir Kumar	44
7.	SBM-2.0 and city-wise sanitation plan	3-Days	26/12/2022	28/12/2023	Manoj Pande	21
8.	SBM-2.0 and city-wise sanitation plan	3-Days	29/12/2022	31/12/2023	Manoj Pande	20
9.	Women Leadership development through Training	3-Days	9/1/2023	11/1/2023	Manju Dhoundhiyal and Dr. Deepa Mehra Rawat	25
10.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	17/1/2023	17/1/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	68
11.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	18/1/2023	18/1/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	57
12.	Training Programme on Right to Information Act (State)	1-Day	19/1/2023	19/1/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	99
13.	Important Dimensions of Disaster Management Outreach-Champawat	2-Days	19/1/2023	20/1/2023	Dr. Manju Pandey	39
14.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	23/1/2023	23/01/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	59
15.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	24/1/2023	24/1/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	80
16.	Training Programme on Right to Information Act	1-Day	25/1/2023	25/1/2023	Poonam Pathak and	120

	(State)				Dr. Manju Dhoundhiyal	
17.	Capacity building: Disaster Risk reduction	2-Days	30/1/2023	31/1/2023	Dr.Om Prakash	35
18.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	02/2/2023	02/2/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	68
19.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	03/2/2023	03/2/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	64
20.	Training Programme on Right to Information Act (State)	1-Day	04/2/2023	04/2/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	103
21.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	06/2/2023	06/2/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	63
22.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	07/2/2023	07/2/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	71
23.	Training Programme on Right to Information Act (State)	1-Day	08/2/2023	08/2/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	103
24.	NPS Workshop for DDO's of Nainital & Ranikhet	1-Day	08/2/2023	08/2/2023	Dinesh Kumar Rana	163
25.	TNA Refresher Course Mission Karmayogi	2-Days	9/2/2023	10/2/2023	Meenu Pathak	38
26	Visioning Workshop for GIS Master plan	2-Days	27/2/2023	28/2/2023	Manoj Pande	51
27.	Orientation Training Programme for Samiksha adhikari/Sahayak Samiksha adhikari (Lekha) of Sachivalay, PWD and Personnel	15-Days	13/3/2023	27/3/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	25
Total number of Participants						1568

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सहायता से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए चिन्हित आवश्यकता आधारित विभिन्न विषयों पर एक सप्ताह एवं तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति के आलोक में अकादमी ने प्रशिक्षकों के विकास को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। तद्नुसार प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है जो प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल विकसित करने में सहायक है। तद्नुसर अकादमी द्वारा प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल, डिजाइन ऑफ ट्रेनिंग, इवैल्युएशन ऑफ ट्रेनिंग तथा मैनेजमेंट ऑफ ट्रेनिंग इत्यादि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश एवं देश में कार्यरत प्रशिक्षकों हेतु किया जाता है।

आलोच्य वर्ष 2022–23 में 06 प्रशिक्षक विकास कार्यक्रमों में कुल 91 प्रतिभागी अधिकारी तथा 24 राज्य श्रेणी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 643 प्रतिभागी अधिकारी अर्थात कुल 30 कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें 734 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Design of Training (DoT)	1-Week	9/5/2022	13/5/2022	Dinesh Kumar Rana	10
2.	Training Need Analysis (TNA)	1-Week	23/5/2022	28/5/2022	Dr. Manju Pandey	14
3.	Evaluation of Training (EoT)	1-Week	6/6/2022	10/6/2022	Dinesh Kumar Rana	17
4.	Mentoring Skills	3-Days	13/6/2022	15/6/2022	V.K.Singh	09
5.	Direct Trainers Skills (DTS)	1-Week	27/6/2022	01/07/2022	V.K.Singh	24
6.	Management of Training (MoT)	1-Week	20/3/2023	24/3/2023	Dr. Manju Pandey	17
Total number of Participants						**91**

राज्य श्रेणी के प्रशिक्षण कार्यक्रम

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Prevention of Sexual Harassment: the PoSH awareness programme	3-Days	21/4/2022	23/4/2022	Manwar Singh	19
2.	Hospital disaster management plan	3-Days	25/4/2022	27/4/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	34
3.	Birth and death registration act and its impact on nation building	3-Days	09/5/2022	11/5/2022	Poonam Pathak	44
4.	Workshop on Gender sensitization	3-Days	23/5/2022	25/5/2022	Manwar Singh	27
5.	E-Governance: Basic concepts and initiatives	3-Days	02/6/2022	04/6/2022	Meenu Pathak	28
6.	Disaster risk reduction: safe hill area practice	3-Days	6/6/2022	8/6/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	24
7.	The role of conversions in urban schemes like AMRUT, PMAY, SBM, NULM	3-Days	27/6/2022	29/6/2022	Manoj Pande	28
8.	Convergence in welfare schemes and their monitoring and evaluation	3-Days	1/8/2022	3/8/2022	Poonam Pathak	Online 29
9.	The Role of community participation in sustainable solid waste management	3-Days	04/8/2022	06/8/2022	Manoj Pande	Online 37
10.	SHGs and women empowerment	3-Days	22/8/2022	24/8/2022	Dr. Manju Pandey	30
11.	Advance vocational training for Women of hill and tribal areas	3-Days	22/8/2022	24/8/2022	Dr Manju Dhoundhiyal	25
12.	E-Governance: Cloud computing and Cloud infrastructure measures	3-Days	01/9/2022	03/9/2022	Meenu Pathak	Online 35
13.	A satisfied retired official an asset to the nation: how to plan life after retirement-special programme for 55 years and above age officials	3-Days	01/9/2022	03/9/2022	Poonam Pathak	21
14.	Training on retirement planning & financial literacy for government	3-Days	1/9/2022	3/9/2022	Dr.Manju Dhoundhiyal and	21

	servants				Dr. Deepa Mehra Rawat	
15.	Urban agenda 2030 and sustainable development goals	3-Days	05/9/2022	07/9/2022	Manoj Pande	25
16.	How to Maximize the Conviction Rate on Crime against Women	1-Week	19/9/2022	23/09/2022	Deepa Mehra Rawat	23
17.	How to Maximize the Conviction Rate on Crime against Women	1-Week	19/9/2022	23/9/2022	Dr. Deepa Mehra Rawat	22
18.	Training Programme on Essential Life Skills	3-Days	22/9/2022	24/9/2022	Dr. Manju Dhoundhiyal and Dr Deepa Mehra Rawat	26
19.	Women empowerment and participation in urban development	3-Days	10/10/2022	12/10/2022	Manoj Pande	Online 46
20.	Women empowerment through entrepreneurship development for officers of various development departments	3-Days	10/10/2022	12/10/2022	Deepa Mehra Rawat	16
21.	Women Leadership development through Training	3-Days	9/1/2023	11/1/2023	Manju Dhoundhiyal and Dr. Deepa Mehra Rawat	25
22.	Training programme for PROs	3-Days	6/2/2023	8/2/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	26
23.	Computer application in office	1-Week	20/2/2023	24/2/2023	V.K. Singh	16
24.	Computer application in office	1-Week	20/2/2023	24/2/2023	V.K. Singh	16
Total number of Participants						**643**

विभागीय परीक्षाएँ

उत्तराखण्ड शासन द्वारा विभागीय परीक्षा के संचालन के सम्बंध में जारी शासनादेश संख्या 2858/XXX(ii)/2005 के अनुसार डा0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी द्वारा वर्ष 2005 से राज्याधीन सेवाओं में नियुक्ति के पश्चात् परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने तथा पदोन्नति हेतु विभागीय परीक्षा का प्रावधान विद्यमान है, ऐसी सेवाओं एवं पदों में विभागीय परीक्षाओं का आयोजन अकादमी द्वारा किया जाता रहा है। विभागीय परीक्षाओं की गोपनीयता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए अकादमी में पूर्ण पारदर्शिता के साथ विभागीय परीक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

आलोच्य वर्ष 2022–2023 में उत्तराखण्ड शासन के अधीन कार्यरत् अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न विभागीय परीक्षाओं का आयोजन किया गया एवं एक सप्ताह के अन्तराल से पूर्व परीक्षाफल घोषित किया गया :–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Departmental Examination-ITI	3-Days	5/1/2023	7/1/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	20
2.	Departmental Examination-Dy. SP	3-Days	13/2/2023	15/2/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	17
Total number of Participants						**37**

विभिन्न राष्ट्रिय संस्थाओं से संकाय विनिमय कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग (MoU)

आलोच्य वर्ष 2022–23 में अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियों तथा क्षमता विकास के लिए निम्नलिखित राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय महत्वपूर्ण संस्थानों से MoU किया गया है।

1. भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली।
2. जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा।
3. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
4. पं0 दीनदयाल उपाध्याय वित्तीय प्रशासन, प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, वित्त विभाग, देहरादून।
5. हरीश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर।
6. जम्मू और कश्मीर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवेलपमेंट, जम्मू।
7. भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर।
8. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

मिशन कर्मयोगी

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन कर्मयोगी का माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 02 सितम्बर, 2020 को शुभारम्भ किया गया। यह योजना देश के समस्त शासकीय अधिकारियों के ऑनलाइन माध्यम से क्षमता विकास हेतु आरम्भ की गयी है। मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत कार्मिकों का Rule to Role Based क्षमता विकास किया जाना है। जिस हेतु i-Got Platform का उपयोग करते हुये किसी भी समय, किसी भी स्थान एवं किसी भी उपकरण पर आवश्यकतानुसार विषयों पर E-Learning Modules की सहायता से क्षमता विकास किया जा सकता है।

उत्तराखण्ड राज्य में मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन हेतु माननीय मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा अकादमी को दिनांक 14 जून, 2022 को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया। तद् दिनांक से अकादमी द्वारा कार्यक्रम के क्रियान्वयन में समानान्तर रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके क्रम में अकादमी में मिशन कर्मयोगी सेल की स्थापना की गयी है। अकादमी द्वारा i-Got Portal पर ऑनबोर्डिंग हेतु उत्तराखण्ड राज्य के समस्त विभागों से पत्राचार कर विभागों से नामित नोडल से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के साथ ही विभाग के अन्तर्गत आने वाले कार्यालयों/संस्थानों की जानकारी भी एकत्रित की गयी है।

अकादमी द्वारा i-Got Portal पर उत्तराखण्ड राज्य के समस्त विभागों की सूची को परिलक्षित करने हेतु Special Purpose Vehicle (SPV) कर्मयोगी भारत से संर्पक एवं समन्वय करते हुये विभागों की सूची i-Got Portal पर पंजीकृत करा दी गयी है। इसी क्रम में मिशन कर्मयोगी एवं i-Got Platform पर उन्नमुखीकरण कार्यक्रम हेतु Capacity Building Commission (CBC) एवं Special Purpose Vehicle (SPV) कर्मयोगी भारत के सहयोग से प्रशिक्षण सत्र आयोजित कराये गये। वर्तमान में यह कार्यक्रम अकादमी स्तर से आयोजित किये जा रहे हैं।

अकादमी द्वारा i-Got Portal पर ऑनबोर्डिंग के संबंध में विभागों को समय–समय पर उनके द्वारा अनुभव की जा रही कठिनाईयों के निराकरण हेतु सहयोग एवं जानकारी प्रदान की जा रही है। आतिथि तक i-Got Portal पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार राज्य के कुल

36 विभागों द्वारा Portal पर ऑनबोर्डिंग की जा चुकी है। शेष विभागों द्वारा भी ऑनबोर्डिंग हेतु प्रयास किये जा रहे हैं।

राज्य के समस्त विभागों मे कार्यरत कर्मिकों/अधिकारियों के क्षमता निर्माण हेतु विभागों की प्रशिक्षण संबंधित आवश्यकताओं का आकंलन करने के लिये अकादमी द्वारा TNA Refresher प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अन्तर्गत पूर्व में टी.एन.ए. प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके शासकीय अधिकारियों/कार्मिकों का पुनः टी.एन.ए. कौशल संर्वधन का प्रयास किया गया है। प्रथम चरण में प्रदेश के 10 विभागों को प्रशिक्षित अधिकारियों/कार्मिकों की सूची विभाग के अन्तर्गत टी.एन.ए. सम्पादित कराने के उद्देश्य से उपलब्ध करायी जा चुकी है।

अकादमी द्वारा राज्य हेतु Learning Management System (LMS) बनाये जाने के संबंध मे राज्य की संस्था सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (ITDA), उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय संस्था National e-Governance Division (NEGD) से सम्पर्क कर State-LMS भी विकसित किये जाने के संबंध मे प्रयास किया जा रहा है।

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ

लक्ष्य/उद्देश्य/कार्य :–

- आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में क्षमता विकास करना।
- आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित कौशल व ज्ञान का प्रसार करना तथा विभिन्न क्षेत्रों से विभागीय अधिकारियों व सार्वजनिक क्षेत्रों से स्वयं सेवकों एवं क्षेत्र प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करना।
- आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित अध्ययनों का अभिलेखीकरण तथा उसके अनुरूप पुस्तिकाओं का प्रकाशन।
- उत्तराखण्ड राज्य तथा अन्य पर्वतीय राज्यों में आपदाओं के मूल कारणों के समाधानों को लेकर रणनिति तैयार करना।
- विभिन्न विषयों पर मॉड्यूल तैयार करना, जैसे– आपदा प्रबन्धन एवं जेण्डर, मनोवैज्ञानिक सुझाव एवं प्राथमिक सहायता, आपदा प्रबन्धन एवं जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबन्धन एवं भूकम्प सुरक्षित निर्माण इत्यादि।
- राष्ट्रीय विद्यालय सुरक्षा योजना के अन्तर्गत विद्यालय सुरक्षा हेतु समय–समय पर अध्यापकों व विद्यार्थियों को मॉकड्रिल एवं अभ्यास के माध्यम से जागरूक करना।
- विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों हेतु समय–समय पर प्राकृतिक आपदा के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाओं को आयोजित करना, जैसे –भूस्खलन, जंगल की आग, त्वरित बाढ़, खोज–बचाव, प्राथमिक सहायता, विद्यालय सुरक्षा, मानसिक विकार, तनाव प्रबंधन, भूकम्प सुरक्षित भवन निर्माण तकनीक, आपदा जोखिम न्यूनीकरण इत्यादि।
- जनपद/तहसील/विकास खण्ड स्तर पर आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित कार्यशालाओं का आयोजन करना, जिससे प्रत्येक जन समुदाय आपदा प्रबन्धन के प्रति जागरूक रहे।
- भूकम्प, भूस्खलन, भूक्षरण, बाढ़, सूखा, बादल फटना, वनाग्नि, आग एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव पर शोध कार्य करना तथा अन्य मानवकृत आपदाओं से बचाव हेतु जागरूकता पैदा करना।
- प्राकृतिक आपदाओं के प्रबन्धन हेतु पठन सामग्री, जैसे– भूकम्प, भूस्खलन, अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक सहायता, मौसम परिवर्तन एवं सड़क दुर्घटना आदि का सम्पादन एवं प्रकाशन का कार्य करना।
- आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ की स्थापना का मुख्य लक्ष्य विभिन्न कार्यशाला, सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर प्राकृतिक व मानवकृत आपदाओं के विभिन्न पहलुओं (योजना, राहत कार्य, पुर्नवास आदि) के प्रति जनचेतना लाने का प्रयास

करना है तथा सरकारी एवं गैर सरकारी के साथ–साथ राज्य के अन्य अधिकारियों के लिए विविध क्षेत्रों में सेवाकालीन प्रशिक्षण और विभिन्न क्षेत्रों में शोध सम्बन्धी गतिविधियाँ करना है। अधिकारियों, कर्मचारियों, जन प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों में प्राकृतिक व मानवकृत आपदाओं के प्रति संवेदनशील बनाना/जागरूकता पैदा करना, प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही प्राकृतिक एवं मानवकृत आपदाओं का विश्लेषण करना तथा समय–समय पर उत्तराखण्ड राज्य के मुख्य सचिव व सचिव, आपदा प्रबन्धन को आपदा प्रबन्ध को सुदृढ़ बनाये जाने हेतु सुझाव प्रेषित करना भी प्रकोष्ठ का महत्वपूर्ण कार्य है।

2. आलोच्य वर्ष में संचालित विभिन्न नवीन गतिविधियों का विवरण

- प्रकोष्ठ द्वारा कुल 05 outreach प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- प्रकोष्ठ द्वारा 01 ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में 02 राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- प्रकोष्ठ द्वारा वित्तीय वर्ष 2022–23 में वर्तमान तक कुल 13 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका विवरण निम्नवत् है:–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Disaster Risk reduction: forest fire	3-Days	25/4/2022	27/4/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	59
2.	Landslides: Safe Hill Area Practices	3-Days	19/5/2022	21/5/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	19
3.	Community Based Disaster Risk Management (for Patwaris)	5-Days	20/6/2022	24/6/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	51
4.	Disaster Management School Safety	2-Days	26/7/2022	27/7/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	48
5.	Psychosocial Issues and Disaster Management	3-Days	12/9/2022	14/9/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	60 Online
6.	National Workshop-Reducing Risk & Building Resilience: Capacity Building in the Mountain States	2-Days	20/10/2022	21/10/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	329

7.	Post Disaster Need Assessment (PDNA) and Long Term Recovery	3-days	21/11/2022	23/11/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	85
8.	Disaster Management : Road Safety	3-days	19/12/2022	21/12/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	34
9.	Awareness Programme on Disaster Risk Reduction (State-DMC) Outreach	2-Days	23/12/2022	24/12/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	102
10.	Awareness Programme on Disaster Risk Reduction (State-DMC) Outreach	2-Days	26/12/2022	27/12/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	58
11.	Training of Trainers Programme on engaging youth and adolescent in disaster risk management and climate change adoption	5-Days	06/2/2023	10/2/2023	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	60
12.	National Workshop-Disaster Resilience in Mountains : Need for capacity building	1-Days	24/2/2023	24/2/2023	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	37
13.	CCA-DRR Integration into State & District Plans	1-Days	20/3/23	22/3/23	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	29
TOTAL						**971**

संकाय द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभागिता का विवरण

S. No.	Name of Faculty	Name of the Programme	Date/ Duration	Organised by
1.	Dr. Manju Pandey, Assistant Professor	Integration of DRR with GPDP & CSR Initiatives	21-25/11/2022	NIRDPR & NIDM, New Delhi
2.	Dr. Priyanka Tyagi, Research Officer	Resilient and Sustainability Summit : Vision 2047	17-19/01/2023	NIDM, New Delhi
3.	Dr. PriyankaTyagi, Research Officer	International Conclave onUse of Advance Technologies in Disaster Management	21-22/03/2023	USDMA, Dehradun

आलोच्य वर्ष 2022–23 में प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियाँ

- प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 20 से 21 अक्टूबर, 2022 की अवधि में Reducing Risk & Building Resilience: Capacity Building in the Mountain States विषयक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- प्रकोष्ठ द्वारा उक्त कार्यशाला से सम्बन्धित Nainital Declaration Out Come of Two-Days National Workshop on Reducing Risk & Building Resilience: Capacity Building in the Mountain States पुस्तक प्रकाशित की गई।

भविष्य की रणनीतियाँ/उद्देश्य

- आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली एवं डी.ओ.पी.टी. भारत सरकार से प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन।
- विभिन्न कार्यशालाओं/सेमिनारों का आयोजन।

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स

उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) एक स्वायत्तशासी एवं स्ववित्तपोषित संस्था के रूप में सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत की गयी है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के संगठनात्मक ढांचे में बार्ड आफ गवर्नस के अध्यक्ष के रूप में मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, निदेशक/महानिदेशक अकादमी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में, संयुक्त निदेशक पदेन सचिव के रूप में तथा संयुक्त निदेशक (वित्त) पदेन वित्त नियंत्रक के रूप में योगदान प्रदान करते हैं। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परियोजना आधारित कार्यक्रमों का निष्पादन करना है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् हैं:–

- शासकीय विभागों के साथ मिलकर माँग के आधार पर अभिशासन में सुधार के मुख्य बिन्दुओं को चिन्हित करना, उनका समाधान करना तथा कार्ययोजना तैयार करना एवं उस कार्ययोजना को लागू करवाना।
- राज्य तथा स्थानीय प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अभिशासन में सुधार तथा प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में अभिकल्पन, शोध एवं कार्ययोजना बनाने तथा उन्हें लागू कराने में परामर्श एवं सुझाव देना।
- शासकीय सुधारों के क्षेत्र में अच्छे कार्यों का अध्ययन तथा उनको अभिलिखित करना, अभिशासन में सुधार तथा ई–गवर्नेन्स के क्षेत्र में अब तक हुए अच्छे कार्यों तथा सुधार के साधनों को संकलित करना।
- उन क्षेत्रों को चिन्हित करना जो सरकार के क्रियाकलापों तथा नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं तथा जिनसे जन अपेक्षाओं के अनुरूप बदलाव लाया जा सकता है।
- शासन के लक्ष्यों, उद्देश्यों तथा नीतिगत प्राथमिकताओं को ठोस सुधार के रूप में अनूदित करना तथा शासन के लिए थिंक–टैंक के रूप में कार्य करना।
- माँग के आधार पर विकासात्मक प्रशासन हेतु उपयुक्त अवसर सृजित एवं उपलब्ध कराना जिससे ज्ञान, कौशल एवं अभिवृत्ति तथा अनुभव का विकास एवं उच्चीकरण

किया जा सके। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत निम्नलिखित सात परियोजना प्रबन्धन इकाईयाँ (Project Management Units) कार्यरत हैं :–

1.	प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफारमेन्स बजटिंग प्रकोष्ठ
2.	ई–गवर्नेन्स प्रकोष्ठ
3.	प्रलेखन एवं समन्वय प्रकोष्ठ
4.	शहरी विकास प्रकोष्ठ
5.	की–रिसोर्स सेन्टर : पेयजल एवं स्वच्छता
6.	बौद्धिक सम्पदा एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ
7.	जेन्डर प्रकोष्ठ

वर्तमान में निदेशक, डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं तथा संयुक्त निदेशक (प्रशासन), सचिव एवं उप निदेशक (वित्त) द्वारा वित्त नियन्त्रक के दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न इकाईयों में परियोजनाओं के संचालन तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए समन्वयक तथा परियोजना प्रबन्धकों को विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ के रूप में अनुबंधित किया गया है, जो अकादमी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स में कार्यरत संकाय सदस्यों को अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता एवं पर्याप्त अनुभव प्राप्त है तथा उनके द्वारा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग करके प्रशिक्षक के रूप में भी विशेषज्ञता प्राप्त की गई है।

(1) प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफॉरमेन्स बजटिंग इकाई

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत इस इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई का मुख्य कार्य शासकीय विभागों के साथ मिलकर माँग के आधार पर अभिशासन में सुधार के मुख्य बिन्दुओं को चिन्हित करना, समाधान करना तथा कार्ययोजना तैयार करना एवं उस कार्य योजना को लागू करवाना है। इसके अलावा यह इकाई राज्य तथा स्थानीय प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अभिशासन में सुधार तथा प्रशासनिक

सुधार के क्षेत्र में अभिकल्पन, शोध, एवं कार्ययोजना बनाने तथा उन्हें लागू कराने में परामर्श एवं सुझाव देने का कार्य भी करती है।

(2) ई–गवर्नेन्स इकाई

सूचना तकनीकी का प्रसार अप्रत्याशित गति से हो रहा है। सभी अभिकरणों एवं संस्थाओं को कम्प्यूटरीकृत करने की ओर अग्रसर होना आवश्यक हो गया है, साथ ही किसी भी स्तर के कार्मिक के लिये कम्प्यूटर पर कार्य करने की क्षमता एक पूर्वापेक्षा बन गई है। निर्णय प्रक्रियाओं के समय से सम्पादित होने के लिये आवश्यक है कि पूर्ण सूचनाएँ न्यूनतम समय में प्राप्त हो सकें, और इस रूप में प्राप्त हों कि उनका विश्लेषण यथासमय किया जा सके। राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति, 1996 के अनुरूप सभी के लिये प्रशिक्षण तथा सरकारी कार्मिकों हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण के उद्देश्य से इस पी.एम.यू. द्वारा प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत गठित ई–गवर्नेन्स इकाई के द्वारा कम्प्यूटर एप्लीकेशन, डिजिटल इण्डिया, ई–गवर्नेन्स इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के न केवल अधिकारीगण वरन अन्य कार्मिकों को भी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

(3) प्रलेखन एवं समन्वय इकाई

सूचना का संकलन और संप्रेषण डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल की एक प्रमुख गतिविधि है, अतः सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं व कार्यक्रमों की गतिविधियों के सुव्यवस्थित अभिलेखन हेतु प्रलेखन इकाई की स्थापना की गई है। इसके संचालन का दायित्व पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र को सौंपा गया है। प्रलेखन इकाई द्वारा सेन्टर फार गुड गवर्नेन्स की विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों के अभिलेखीकरण में गुणवत्ता व एकरूपता बनाये रखने के साथ–साथ प्रकाशन हेतु परामर्श व तकनीकी सहायता भी दी जाती है तथा विभिन्न प्रलेखों के प्रकाशन, विक्रय और रखरखाव का भी कार्य किया जा रहा है। प्रलेखन इकाई द्वारा प्रकाशनों को अलग–अलग श्रृंखला के रूप में प्रकाशित किया जाता है। इन प्रकाशनों को प्रकाशित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि प्रदेश के अधिकारियों में विवेचन तथा विचारों का प्रवाह होता रहे। सी.जी.जी. द्वारा प्रकाशित विभिन्न साहित्य के मुद्रण, सम्पादन व विक्रय की सम्पूर्ण व्यवस्था का समन्वय पी.एम.यू. प्रलेखन

द्वारा सम्पादित किया जाता है। स्थापना से लेकर अब तक 90 से अधिक प्रलेखों का प्रकाशन व वितरण किया गया है। प्रलेखन इकाई द्वारा अकादमी में स्थापित फोटो कॉपियर मशीन का अनुबन्ध मैसर्स मोदी जिरौक्स के साथ कर फोटोकापी कार्य पर नियन्त्रण तथा मशीनों के रख–रखाव तथा उपभोग्य सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। यह सभी कार्य सशुल्क किया जाता है। उक्त के अतिरिक्त प्रति वर्ष विभिन्न विभागों/संस्थाओं इत्यादि द्वारा माँग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला इत्यादि अकादमी में निरन्तर रूप से आयोजित किये जाते रहते हैं, जिनके समन्वय एवं संचालन का कार्य प्रलेखन एवं समन्वय इकाई के अन्तर्गत प्रशासनिक अधिकारी, सी0जी0जी0 अथवा अकादमी निदेशक/सीईओ महोदय द्वारा नामित संकाय अधिकारी द्वारा किया जाता है। आलोच्य वर्ष में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	ToT for District level officers for preparing District and Block level SDG	3-Days	02/06/2022	04/06/2022	V.K.Singh	29
2.	Training Programme for JAs Working Under Ministry of Communication, Development of Telecom	4-Days	13/06/2022	16/06/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	36
3.	Orientation Training Programme for Judicial Officers	1-Week	04/07/2022	09/07/2022	V.K.Singh	18
4.	ToT for Master Trainers RTI act 2002	3-Days	05/09/2022	07/09/2022	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	24
5.	GEM Workshop	2-Days	10/10/2022	11/10/2022	Dinesh Kumar Rana	46
6.	Educational Tour (MP)	1-Week	7/11/2022	11/11/2022	Dr. Om Prakash	32
7.	Training Programme for Homeopathic Department (Pharmacist)	5-Days	19/12/2022	23/12/2022	Dr. Om Prakash	25
8.	Exposure cum Institutional Training of Gujarat Administrative Service (Class-I)	6-Days	23/01/2023	27/01/2023	Dr. Om Prakash	10
Total number of Participants						**220**

(4) शहरी विकास प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ की परिकल्पना एवं स्थापना शहरी विकास तथा प्रबन्धन के सन्दर्भों में मानव संसाधन विकास हेतु प्रशिक्षण, शोध एवं अभिलेखन गतिविधियों के आयोजन तथा विशेषज्ञतापूर्ण परामर्शदात्री इकाई के रूप में की गयी। प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की

नगरीय प्रबन्धन में बढ़ती भूमिका तथा नगरीय प्रबन्धन से जुड़े विभिन्न कार्यदायी विभागों, अभिकरणों व संस्थानों के अधिकारियों व कार्मिकों सहित निर्वाचित शहरी निकाय प्रतिनिधियों के लिये क्षमता संवर्धन की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 1995 में हड्को चेयर (शहरी विकास प्रकोष्ठ) का गठन आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम 'हड्को' के मानव बसाव प्रबन्धन संस्थान (एच.एस.एम. आई.), नई दिल्ली के सहयोग से उत्तर प्रदेश (अब उत्तराखण्ड) प्रशासन अकादमी, नैनीताल स्थित सेन्टर फॉर डेवलपमेन्ट स्टडीज के अन्तर्गत किया गया था। एच.एस.एम.आई. द्वारा इसी उद्देश्य से देश के विभिन्न राज्यों में स्थित प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों/अकादमियों में "हडको चेयर्स" की स्थापना की गयी है। प्रकोष्ठ को पूर्व में परियोजना प्रबन्धन इकाई–नगरीय कार्य का नाम दिया गया था। सेन्टर फॉर डेवलपमेन्ट स्टडीज की गतिविधियां समाप्त होने के उपरान्त उत्तराखण्ड शासन की सहमति पर अप्रैल, 2005 से 2018 तक हड्को चेयर की गतिविधियों को अकादमी अन्तर्गत सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत नियमित करते हुए संचालित गया।

1. वर्तमान में शहरी विकास प्रकोष्ठ को भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य के मंत्रालय एकीकृत क्षमता संवर्धन फ्रेमवर्क के अंतर्गत एक Empanelled Training Entity है और इसके अंतर्गत विभिन्न राज्य जैसे मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड के साथ क्षमता संवर्धन कार्यक्रम किये जा रहे है।
2. प्रकोष्ठ का मल गाद के वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु NIUA के साथ SCBP Programme के अंतर्गत अनुबंध स्थापित किया गया है।
3. संस्था ने शहरी नियोजन में शिशुओं की समस्याएं एवं चुनौतियों को केन्द्र में रखने हेतु NIUA के ITCN कार्यक्रम के अंतर्गत अनुबंध स्थापित किया है, जिससे शहरी क्षेत्रों में कार्यरत सरकारी अधिकारियों का अभिमुखीकरण एवं मार्गदर्शन किया जा सके।
4. प्रकोष्ठ WASHi के साथ भी स्वच्छता के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य क्षमता संवर्धन गतिविधियॉ संचालित करने हेतु अनुबंध स्थापित कर चुका है और वर्ष 2023–24 हेतु कार्ययोजना तैयार की जा रही है।
5. प्रकोष्ठ को उत्तराखण्ड सरकार द्वारा राज्य शहरी विकास संस्थान में उच्चीकरण हेतु रू0 1.25 करोड़ को वित्तीय अनुदान दिया गया है एवं उत्तराखण्ड राज्य के लिये

विभिन्न शोध कार्य, अभिलेखन कार्य एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम किये जाने की कार्ययोजना को स्वीकृति प्रदान की गयी है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निम्नांकित विशिष्ट उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं

1. प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में आवासीय, शहरी विकास एवं प्रबन्धन के कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने में शहरी निकायों तथा अन्य कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यकतानुसार अपेक्षित सहयोग प्रदान करना तथा इस हेतु कार्यरत अधिकारियों, कार्मिकों एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों में अपेक्षित ज्ञान तथा कौशल विकास हेतु क्षमता विकास कार्यक्रमों का नियोजन एवं क्रियान्वयन।
2. राष्ट्रीय प्राथमिकताओं तथा नगरीय सुधारों के सन्दर्भ में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिकाओं को समबद्ध किये जाने हेतु प्रयास।
3. उपरोक्त उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए सहायक गतिविधियों जैसे शोध, प्रलेखन, प्रशिक्षण, पाठ्क्रमों का विकास तथा प्रसार करना आदि।
4. नगरीय विकास एवं इससे सन्दर्भित क्षमता विकास कार्यों को बढ़ाये जाने एवं बेहतर गुणवत्ता प्राप्ति के उद्देश्य से राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों के साथ सम्पर्क स्थापना (नैटवर्किंग) करना।

उपरोक्त वर्णित लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रकोष्ठ द्वारा मुख्य रूप से निम्नांकित गतिविधियों का संचालन एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है

- शहरी विकास तथा प्रबन्धन हेतु कार्यरत विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के क्षमता विकास को लक्षित करते हुए प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन एवं तद्नुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियोजन व संचालन।
- आवश्यकता आधारित एवं लक्ष्य पूर्तिपरक प्रशिक्षण पाठ्क्रमों का विकास जिनमें ज्ञान व कौशल विकास के साथ ही अभिवृत्ति परिवर्तन भी समावेशित है।
- चतुर्मुखी व व्यवस्थापरक सिद्धान्त प्रशिक्षण कार्यशैली।

- शासन, कार्यदायी विभागों, संस्थाओं, संगठनों, स्थानीय निकायों, जनता तथा विषय विशेषज्ञों के मध्य परस्पर समन्वय कार्य तथा शासन व स्थानीय प्रशासन को नीति व रणनीति बनाने में अपेक्षानुसार सहायता/सलाह प्रदान करना।
- महिलाओं एवं शहरी गरीबों के सशक्तीकरण संबंधी प्रयास तथा इनके विकास से संबंधित कार्यक्रमों में भागीदार अधिकारियों व कार्मिकों के क्षमता संवर्धन हेतु प्रयास।
- शोध कार्य जो क्षमता विकास तथा लोकहित से सन्दर्भित व संबंधित हों।
- राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शहरी विकास के क्षेत्र में किये जा रहे बेहतर व सफल प्रयासों का प्रलेखन व प्रसार।
- शहरी विकास से जुड़े हुये समस्त अधिकारियों को सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन पर कौशल प्रदान करना।

आलोच्य वर्ष में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
Urban Development Cell						
1.	Advance Training on FSSM/NIUA-3 days Seminar	3-Days	06/04/2022	08/04/2022	Manoj Pande	27
2.	ICTN Workshop	2-Days	22/04/2022	23/04/2022	Manoj Pande	24 Online
3.	Advance Training on FSSM/NIUA-3 days Seminar	3-Days	05/05/2022	07/05/2022	Manoj Pande	22
4.	AMRUT –MP	3-Days	22/08/2022	24/08/2022	Manoj Pande	18
5.	ICTN Workshop	2-Days	14/02/2023	17/02/2023	Manoj Pande	10 Online
MoHA Training Programme-2022-2023 (MP-Bhopal)/Uttarakhand						
6.	Integrated Capacity Building (PMAY) Capsule-1	3-Days	28/11/2022	30/11/2022	Manoj Pande	36
7.	Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT) Mission Capsule-3	3-Days	13/10/2022	15/10/2022	Manoj Pande	21
8.	Integrated Capacity Building (NULM) Capsule-1	3-Days	19/01/2023	21/01/2022	Manoj Pande	25
NIUA:SCBP & ICTN Programmes-2022						
9.	Advance Training on Integrated Waste Water and Septage Management (IWSM)	3-Days	26/09/2022	28/09/2022	Manoj Pande	18
10.	Training Programme on: "Role of SHGs in providing Urban Service	2-Days	22/12/2022	23/12/2022	Manoj Pande	19

	Delivery: With a focus on Sanitation Services" Urban-NIUA					
Total number of Participants						220

आलोच्य वर्ष 2022–23 में इकाई/प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियॉं

- ✓ राज्य नगरीय विकास संस्थान (SIUD) की स्थापना।
- ✓ भारत सरकार को शहरी विकास की क्षमता संवर्धन कार्यक्रम (ICBP) Programme) के विभिन्न शहरी मिशन जैसे SBM, PMAY, NULM, AMRUT, SCM, इत्यादी की एकीकृत क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण के लिए शहरी विकास को Training entity के रूप में Empanel किया गया है एवं परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य के शहरी निकायों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- ✓ WASHi के साथ MoU हस्ताक्षर किया गया जिसके अंतर्गत स्वच्छता के क्षेत्र में विभिन्न क्षमता संवर्धन कार्य किये जायेगें। वर्ष 2022–23 में WASHi के सहयोग से SBM 2.0 एवं CWSP के तैयार करने हेतु कुमॉऊ एवं गढ़वाल मंडल के शहरी क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारियों के लिये कार्यशाला की गई।
- ✓ राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान (NIUA) के साथ Sanitation Capacity Building Programme के अंतर्गत अनुबंध स्थापित किया गया। योजना में स्वच्छता के विषय पर विभिन्न कार्यशालाएँ आयोजित की गयी। NIUA एवं शहरी प्रबंन्धन केन्द्र (UMC) अहमदाबाद के साथ संयुक्त रूप से स्वयं सहायता समूहों की शहरी सेवाओं में योगदान को बढ़ाने हेतु कार्यशाला की गयी जिसमें शहरी निकाय के अधिकारी एवं NULM में कार्यरत City Mission Manager द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- ✓ संस्थान द्वारा NIUA के Infant Toddler and Caregiving Neighbourhood (ITCN) कार्यक्रम के अंतर्गत अनुबंध स्थापित किया गया जिसके अंतर्गत Online Mode में शहरी क्षेत्रों में कार्यक्रम विभिन्न विभागों को सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ शहरी विकास प्रकोष्ठ द्वारा शहरी क्षेत्रों के कार्यरत भारत के अन्य प्रतिष्ठित संस्थान के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु विभिन्न अनुबंध किये गये और प्रस्ताव भेजे गये जिसकी सूची निम्नवार है।
  1. पॉचवे वित्त आयोग की संस्तुति के अंतर्गत राज्य शहरी विकास संस्थान को अकादमी में स्थापित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई और शासन को अनुमादन हेतु प्रेषित की गई। शासन द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन कर रू0 1.25 करोड़ की वित्तीय अनुदान अकादमी को प्रदान किया गया है।
  2. NIUA एवं सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी के मध्य, SCBP एवं ITCN कार्यक्रम के अंतर्गत पृथक–पृथक अनुबंध किये गये।

3. WASHi के साथ स्वच्छता के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन में सहयोग हेतु अनुबंध स्थापित किया गया।
4. प्रकोष्ठ द्वारा "Water Budgeting" पर प्रस्ताव विभिन्न सरकारी विभागों को प्रेषित किया गया।
5. प्रकोष्ठ द्वारा भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों को जैसे DoPT, MoEF&CC को भारत सरकार में सेवारत वरिष्ठ अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु प्रस्ताव भेजे गये।

संबंधित इकाई की भविष्य की रणनीतियॉ/उद्देश्य/प्रशिक्षण गतिविधियों संबंधित जानकारियॉ

- राज्य नगरीय विकास संस्थान (SIUD) का Action Plan तैयार करना। राज्य नगरीय विकास संस्थान के अंतर्गत आगामी वर्ष के लिये शोध, प्रलेखन कार्य, प्रशिक्षण, भ्रमण के कार्य किये जायेगे एवं विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर शहरी विकास निदशालय, उत्तराखण्ड शासन को भेजी जायेगी।
- WASHi के साथ वर्ष 2023–24 के अंतर्गत शोध एवं प्रलेखन कार्य शहरी निकायों को स्वच्छता परियोजना कार्यान्वित करने में सहयोग प्रदान एवं प्रशिक्षण कार्य किये जाने है।
- शहरी क्षेत्रों में कार्यरत विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ नेटवर्क स्थापित किया जायेगा जिस हेतु संस्थानों के साथ अनुबंध किया जायेगा।
- NIUA के साथ SCBP framework के अंतर्गत अनुबंध विस्तारित करने हेतु प्रक्रिया शुरू की जायेगी।

भारत सरकार के आवासीय एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत एकीकृत क्षमता संवर्धन कार्यक्रम मध्य प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्य के साथ अनुबंध स्थापित किये जायेंगे।

(5) की–रिसोर्स सेन्टर (पेयजल एवं स्वच्छता इकाई)

नेशनल की रिसोर्स सेन्टर, सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, डा0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल।

उद्देश्य :

- पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में अध्ययन, मूल्यॉकन, समीक्षा एवं शोध कार्यों का प्रस्ताव बनाना तथा कियान्वित करना।
- पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, समुदाय आधारित संगठनों पंचायत राज संस्थाओं तथा व्यक्तिगत सलाहकारों के लिए क्षमता संवर्धन की आवष्यकताओं को चिन्हित करना।

- आवश्यकतानुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करना।
- जल जीवन मिशन द्वारा समय–समय पर निर्देशानुसार प्रशिक्षण प्रदान करना।
- पेयजल एवं स्वच्छता सेक्टर में राज्य स्तरीय मानव संसाधन विकास एवं सूचना, शिक्षा एवं संचार की रणनीति तथा कार्ययोजना विकसित करना।
- पेयजल एवं स्वच्छता सेक्टर हेतु कार्यशालाएँ, सेमिनार, सम्मेलन आयोजित करना।

आलोच्य वर्ष (2022–2023) में संचालित विभिन्न नवीन गतिविधियों का विवरण

- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर तीन लेवल–02 एवं लेवल –01 कार्यक्रमों का आयोजन जिसमें हिंमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, मेघालय, नागालैण्ड, मिजोरम, उत्तराखण्ड, अरूणाचल प्रदेश, एवं झारखण्ड द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कुल 04 राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ट्रैनिंग पोटल हेतु पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ट्रैनिंग पोटल में सभी संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गयी।
- ITCN के अन्तर्गत ट्रैनिंग ऑफ ट्रैनर्स में 04 माड्यूलस का प्रशिक्षण ऑनलाईन

  बेबिनार के माध्यम से लिया गया।
- ITCN के अन्तर्गत ऑन लाईन ट्रैनिंग 04 माड्यूलस द्वारा दिनांक 14 फरवरी, से

  17 फरवरी, 2023 को विभिन्न नगर निकाय के प्रतिनिधियों हेतु दिया गया।
- ITCN के अन्तर्गत वर्तमान में 02 माड्यूलस में ऑन लाईन प्रशिक्षण टी.ओ. टी. के अन्तर्गत प्राप्त किया जा रहा है।
- NIUA द्वारा फील्ड टेस्टिंग सर्वे नैनीताल ULB में किये गये एवं संबंधित सर्वे

  एक्सेल एवं रिपोर्ट के माध्यम से प्रेषित किये गये।
- Water Quality प्रशिक्षण हेतु प्रस्ताव तैयार कर INREM, राजस्थान को भेजा गया।

- के.आर.सी. द्वारा वर्षा जल संचय हेतु निष्प्रयोज्य हैण्डपम्पों को रिचार्ज पिट में परिवर्तित करने हेतु प्रस्ताव बनाया गया।

संकाय द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया गया

- Capacity Building for ODF –Plus एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया।
- पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय India Expo Mart नयी दिल्ली 7th Water week कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया।
- Rural Wash Partner's Forum (RWFP) द्वारा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं जल जीवन मिशन पर आयोजित ऑनलाईन Brain storming Workshop में प्रतिभाग किया गया।
- Rural Wash Partner's Forum (RWFP) द्वारा समय –समय पर आयोजित वेबिनार में RWFP पार्टनर के रूप में ऑन लाईन प्रतिभाग किया जा रहा है।

आलोच्य वर्ष 2022–23 में इकाई/प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियॉ

- जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र संख्या W-11012/18/2020-JJM-III-DDWS दिनांक 09 अप्रैल, 2021 द्वारा नेशनल की रिसोर्स सेन्टर (पेयजल एवं स्वच्छता), डा. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल को राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मार्च, 2024 तक Empanelment किया गया है।
- Rural Wash Partner's Forum (RWFP) द्वारा सी.जी.जी.को RWFP पार्टनर के रूप में चुना गया।

सम्बधित इकाई की भविष्य की रणनीतिया/ उद्देश्य/ प्रशिक्षण गतिविधियों सम्बन्धी जानकारियाँ

- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत Annual Action Plan 2023–2024 हेतु भारत के विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों/क्षेत्र अध्ययन भ्रमण/मूल्यांकन एवं शोध कार्यो का आयोजन प्रस्तावित है जिससे की पूर्ण रूप से प्रतिभगा निशिचित किया जा सके एवं वाह्य प्रशिक्षण एवे नेटर्वकिग को बढ़ावा दिया जा सके।
- राज्यों से आये हुये प्रशिक्षार्थियों को Source Sustainability हेतु नैनीताल झील एवं aeration plant का भ्रमण एवं Best Practices हेतु पंगोठ Bio-Diversity Eco Park का शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

- राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तराखण्ड हेतु जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है।
- के. आर. सी द्वारा ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता हेतु कार्य कर रही विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय सरकारी विभागों/गैर सरकारी संगठनों/शोध संस्थाओं के साथ नॉलेज मैनेजमेन्ट हेतु नेटवर्किंग को विकसित करने के लिये निरन्तर रिसर्च की जा रही है। पेयजल मंत्रालय भारत सरकार से निरन्तर दूरभाष के माध्यम से वार्ता की जाती है, एवं प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी का आदान–प्रदान निरन्तर किया जाता है। विभिन्न संगठनों जैसे GBPHIED, कोसी कटारमल, यू.एन.डी.पी, चीराग एवं अन्य पेयजल से संबंधित काम कर रहे संगठन, Best Practices, अतिथि वार्ताकारों से समय–समय पर चर्चा कर माड्यल को बेहतर विकसित करने हेतु प्रयास।
- जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार को वित्तीय वर्ष 2023–2024 हेतु Annual Action Plan समयानुसार भेजा जा चुका है।
- डी.ओ.पी.टी. भारत सरकार द्वारा स्वीकृती के उपरान्त भेजे गये प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है।
- नियोजन विभाग उत्तराखण्ड हेतु "Academic Endorsement of Various Welfare Programmes and Development" के मूल्यांकन अध्ययन हेतु प्रस्ताव भेजा गया है।

आलोच्य वर्ष 2022– 2023 में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:–

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
For Level-I Officers						
1.	Public Utility Approach in Rural Water Supply Service Delivery	02-Days	09/01/2023	10/01/2023	Manoj Pande	23
For Level-II Officers						
2.	Integrated Spring shed Management through Participatory Approach	03-Days	25/08/2022	27/08/2022	Ragini Tewari	27
3.	Integrated Springshed Management through Participatory Approach	03-Days	12/09/2022	14/09/2022	Ragini Tewari	28
4.	Challenges & Solutions in Implementation of JJM in Hilly Areas	03-Days	12/12/2022	14/12/2022	Ragini Tewari	26
Training Programme Sponsored By State Water & Sanitation Mission,						

Dehradun						
5.	Orientation of Jal Jeevan Mission (Har Ghar Jal) for Level-II officers	03-Days	16/06/2022	18/06/2022	Manoj Pande	30
6.	Orientation of Jal Jeevan Mission (Har Ghar Jal) for Level-I officers	03-Days	04/07/2022	06/07/2022	Ragini Tewari	39
Total number of Participants						173

(6) जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ

भारतीय संविधान की आत्मा सभी के लिए समानता तथा भेदभाव रहित समाज की रचना में ही बसती है। यद्यपि संविधान में जाति, धर्म, रंगभेद, के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव पूर्ण व्यवहार को अस्वीकार किया है तथा अवसरों तक सभी की पहुँच के लिए समान अवसर प्रदान करने का प्राविधान है, किन्तु वास्तविकता में महिलाओं की आधी आबादी होने के बावजूद भी अवसरों तक उनकी पहुँच बहुत कम रही है। कारणों की पडताल करने पर हमारे सामाजिक ढांचे में व्याप्त लैंगिक असमानता है, जो रीति–रिवाजों, रहन–सहन, घरेलू दिनचर्या तथा सामाजिक भूमिकाओं को तय करते समय दिखाई पड़ती है। इसी जेण्डर असमानता को दूर करने के उद्देश्य से सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है, जिसके अन्तर्गत जिला, प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थाओं/एजेन्सियों में कार्यरत महिलाओं को क्षमता विकास प्रशिक्षणों के माध्यम से साामजिक व आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में सुदृढ़ बनाने हेतु अग्रणीय प्रयास किये जा रहे है।

लक्ष्य

महिला सशक्तिकरण की सतत प्रक्रिया में महिलाओं का क्षमता विकास तथा शिक्षा, आर्थिक संसाधनों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुँच बढ़ाकर समाज में जेण्डर न्याय तथा समानता की स्वस्थ सोच का विकास करना प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

उद्देश्य

- इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन संतुलन के लाभों का समझना है।
- संतुलित जीवन शैली के लिए नियोक्ता संसाधनों के बारे में जानना।
- प्रभावी ढंग से दूरसंचार।
- अपने लिए प्रभावी कार्यविधियों का पता लगाना।

- लैंगिक समानता अपने आप में लक्ष्य है। यह समावेशी विकास और समाजों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण साधन है।
- प्रदेश की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करना।
- प्रतिभागियों को लोक प्रशासन में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवेश की चुनौतियों के विश्लेषण व समाधान की क्षमता विकसित करनें में सहायता करना।
- सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी प्रशिक्षण पर आधारित गुणों को एवं कौशल को विकसित करना जिससे वे कुशल प्रबन्धकों के रूप में अपने अधीनस्थों में कार्यक्षमताओं का विकास करना प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण

प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:–

Gender Issues Cell						
S.No.	**Name of the Training Programme**	**Duration**	**Conducted Date**		**Course Director**	**No. of Participants**
1.	Orientation Training Programme for CWC and JJB	3-Days	26/05/2022	28/05/2022	Manwar Singh	52
Total number of Participants						52

प्रशिक्षण गतिविधियों का चार्ट निरूपण

Organization Wise Break-up of Training Programmes (2022-2023)

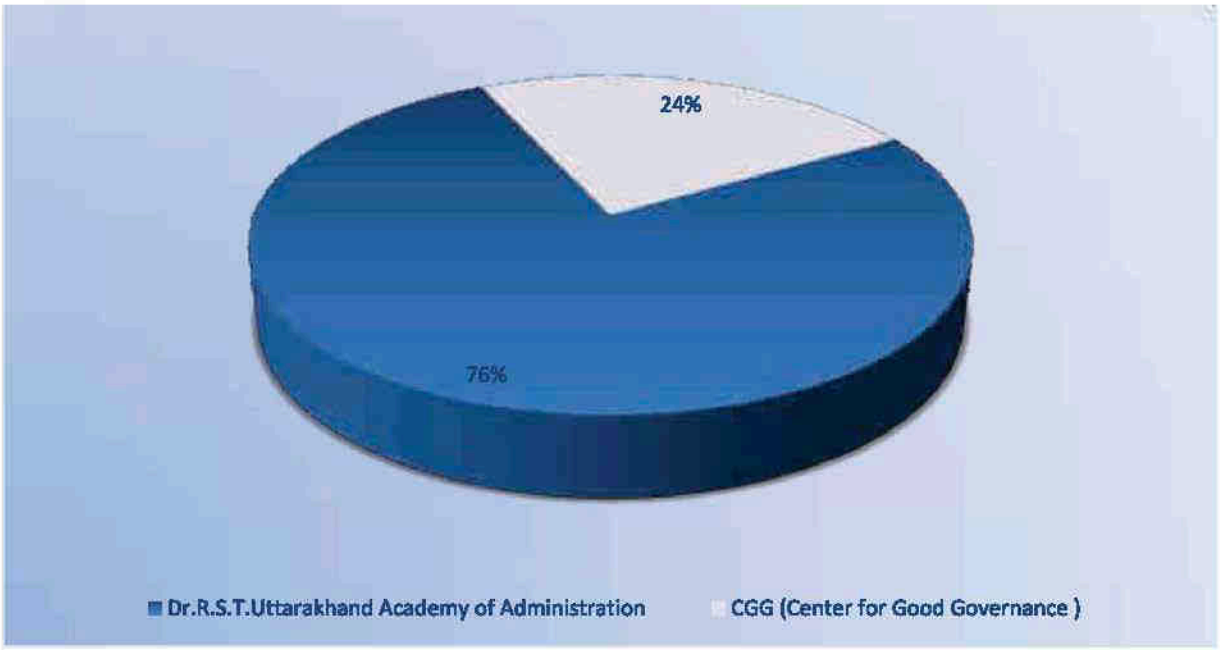

Organization Wise Break-up of Participants (2022-2023)

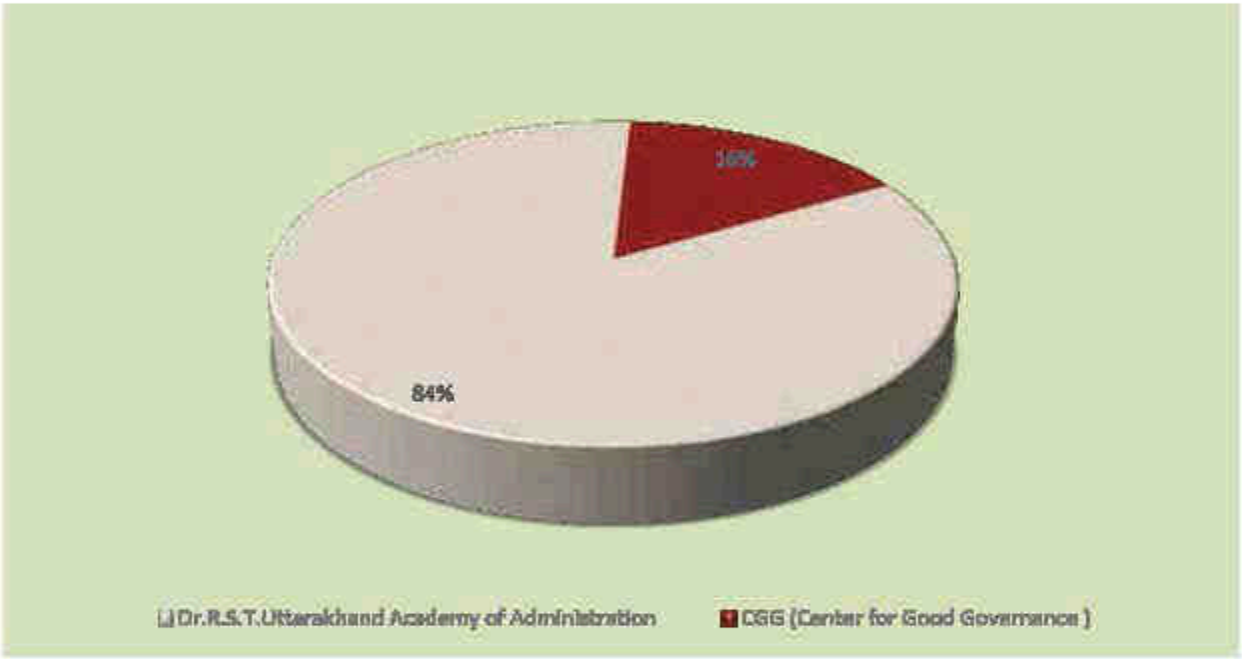

Category Wise Training Programmes of RSTUAoA (2022-2023)

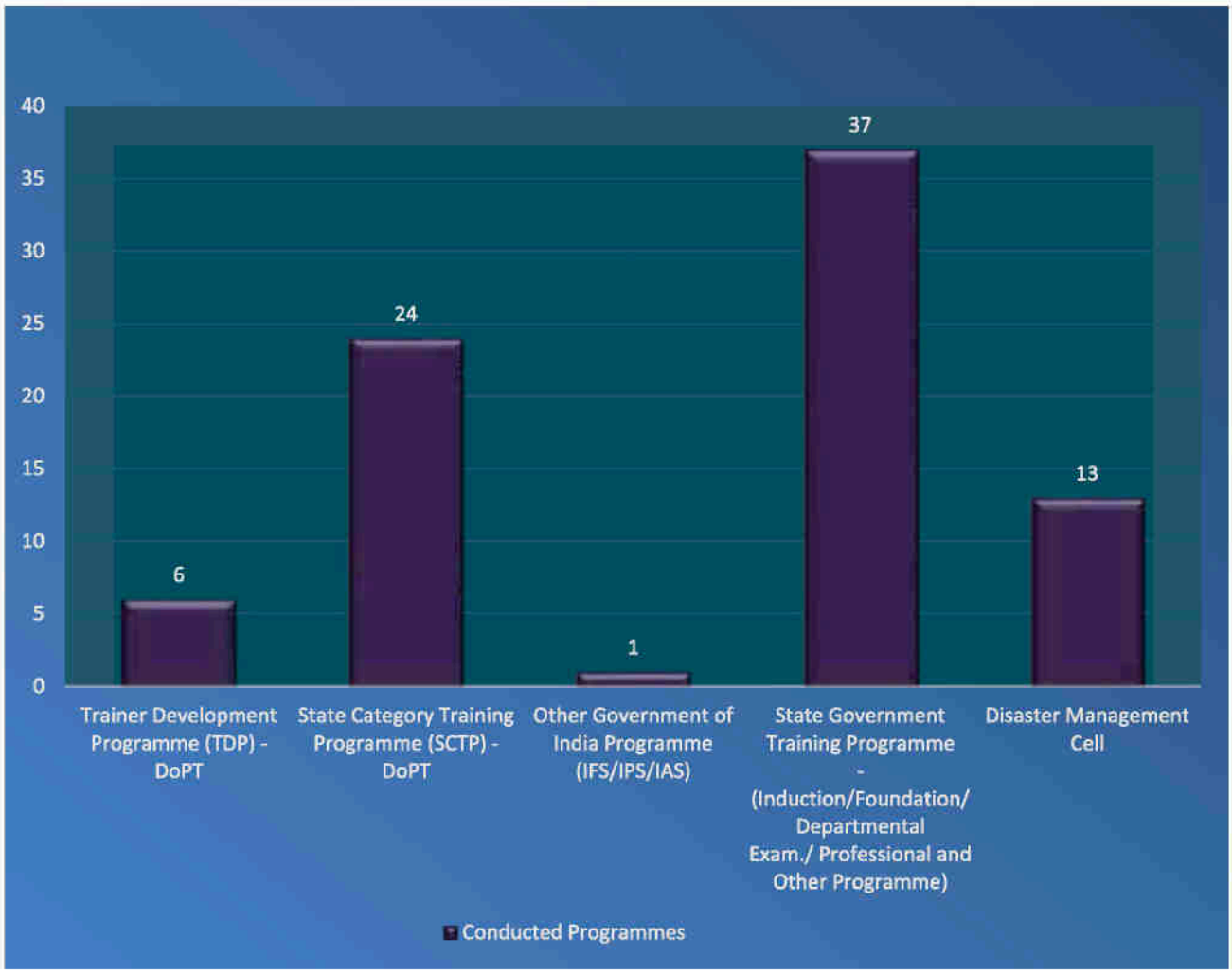

Category Wise Number of Participants in Training Programmes of RSTUAoA (2022-2023)

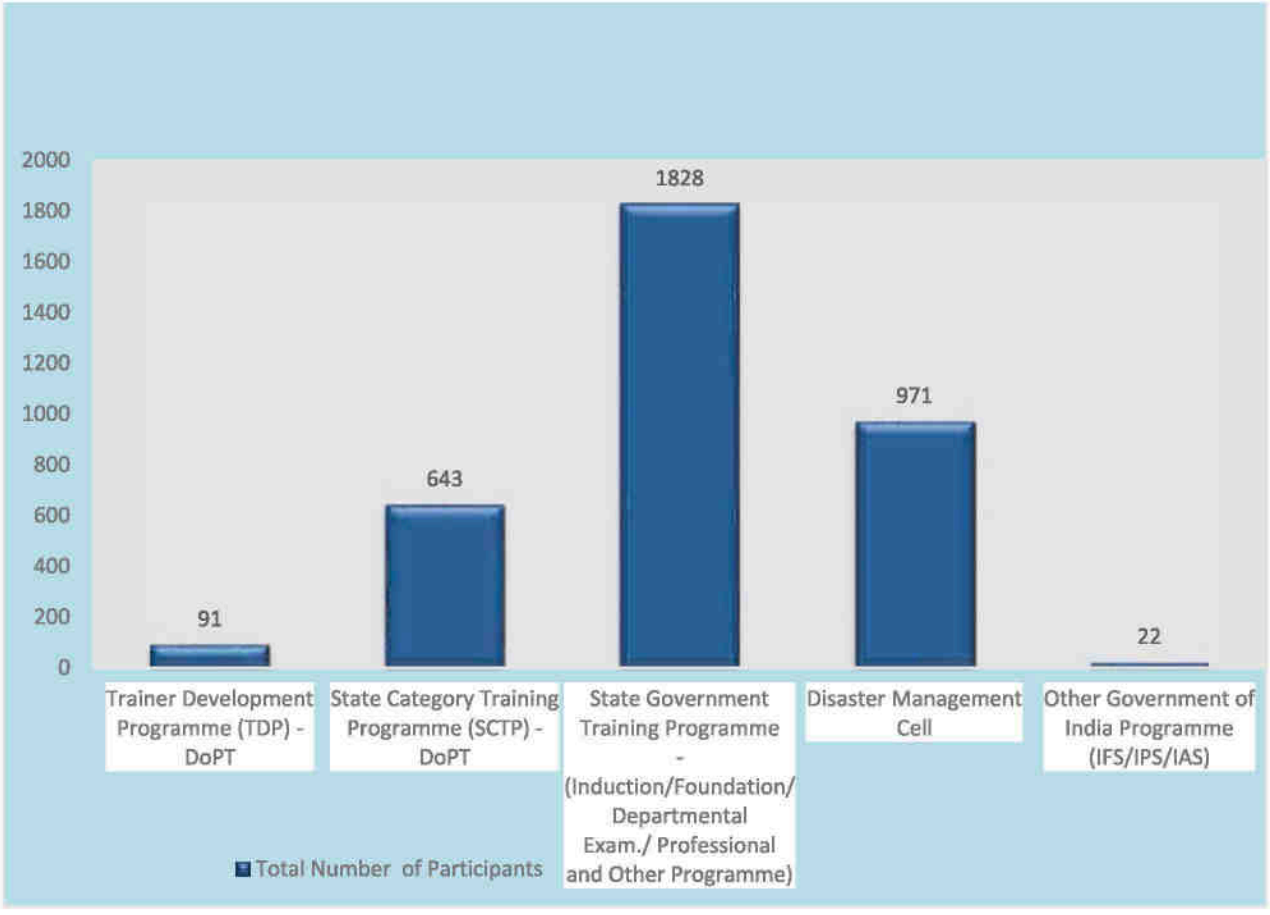

Category Wise Training Programmes of CGG (2022-2023)

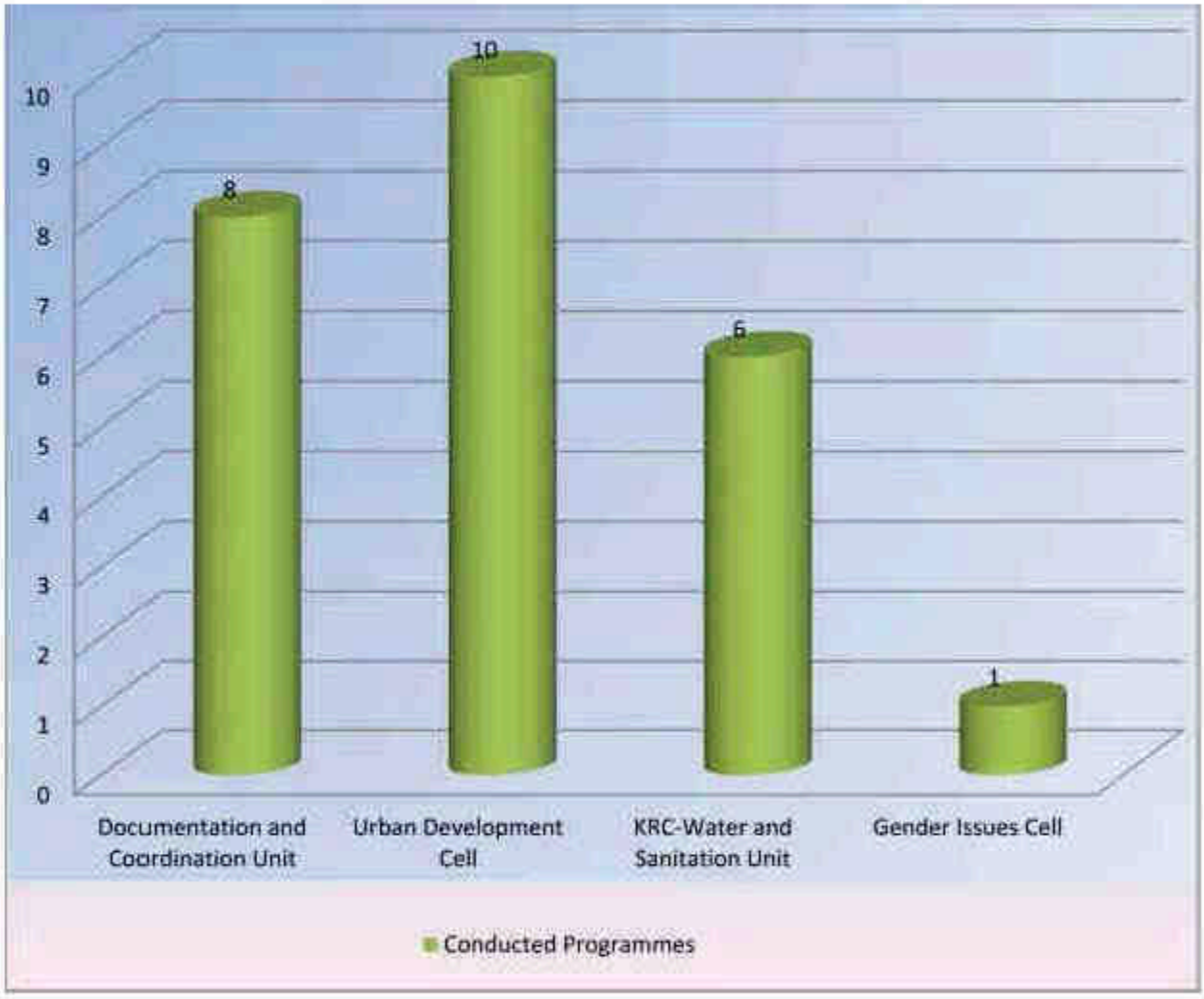

Category Wise Number of Participants in Training Programmes of CGG (2022-2023)

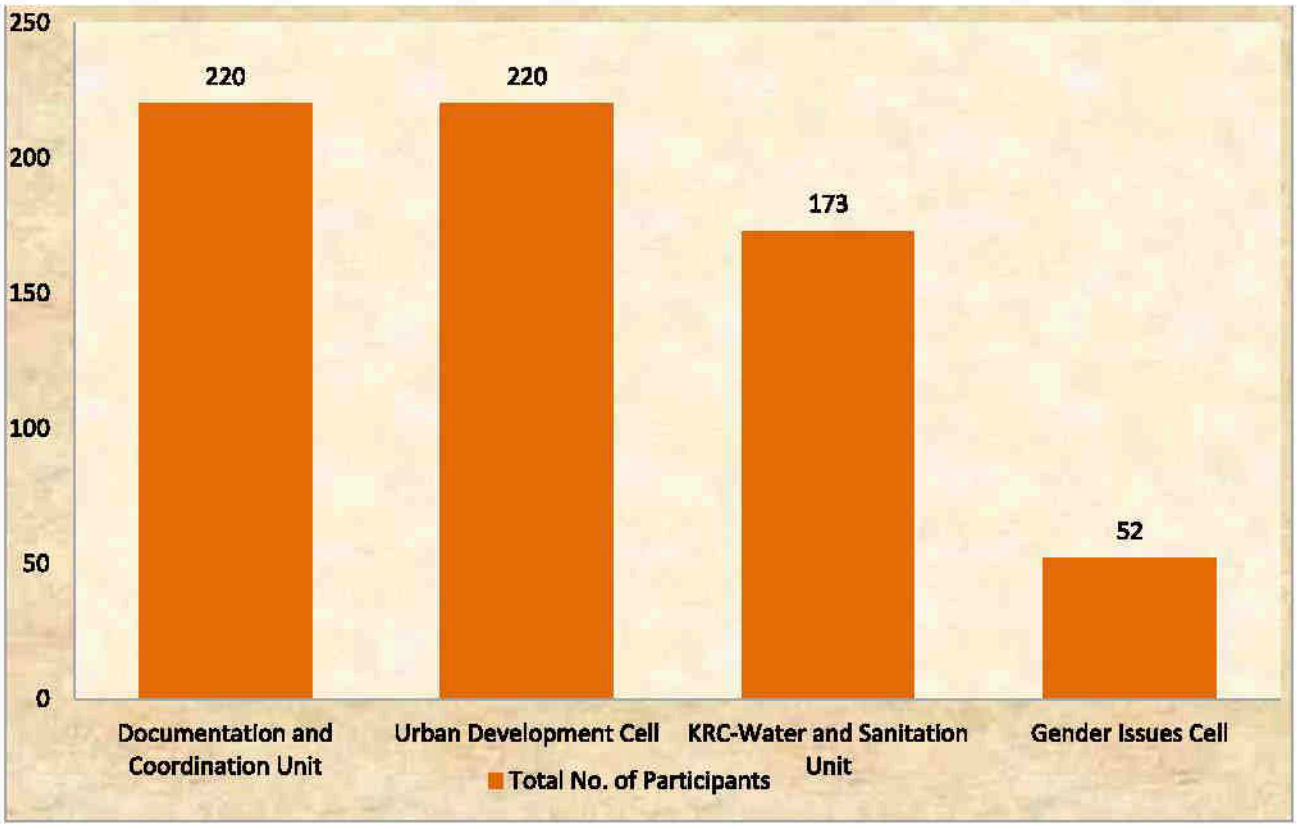

Gender-wise Number of Participants
(2022-2023)

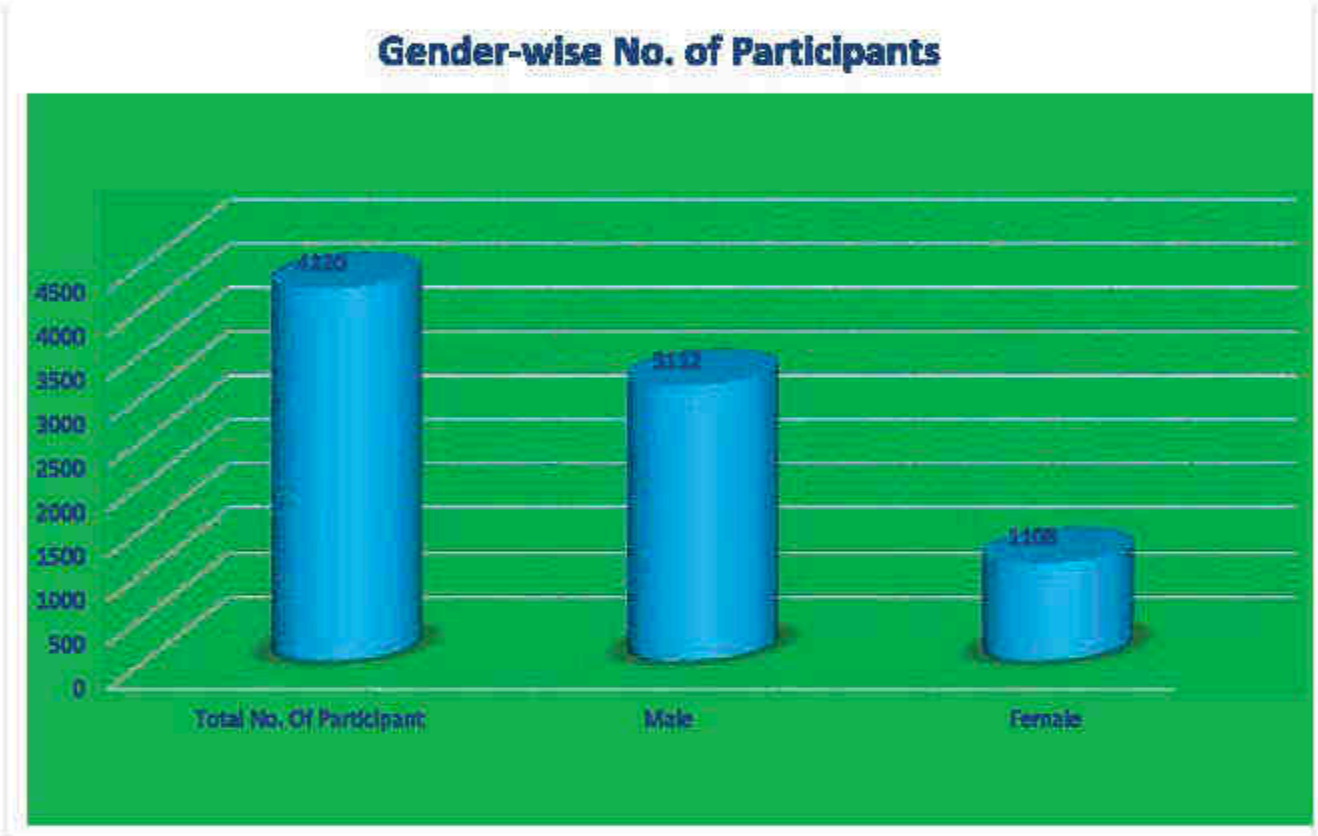

State-wise Number of Participants
(2022-2023)

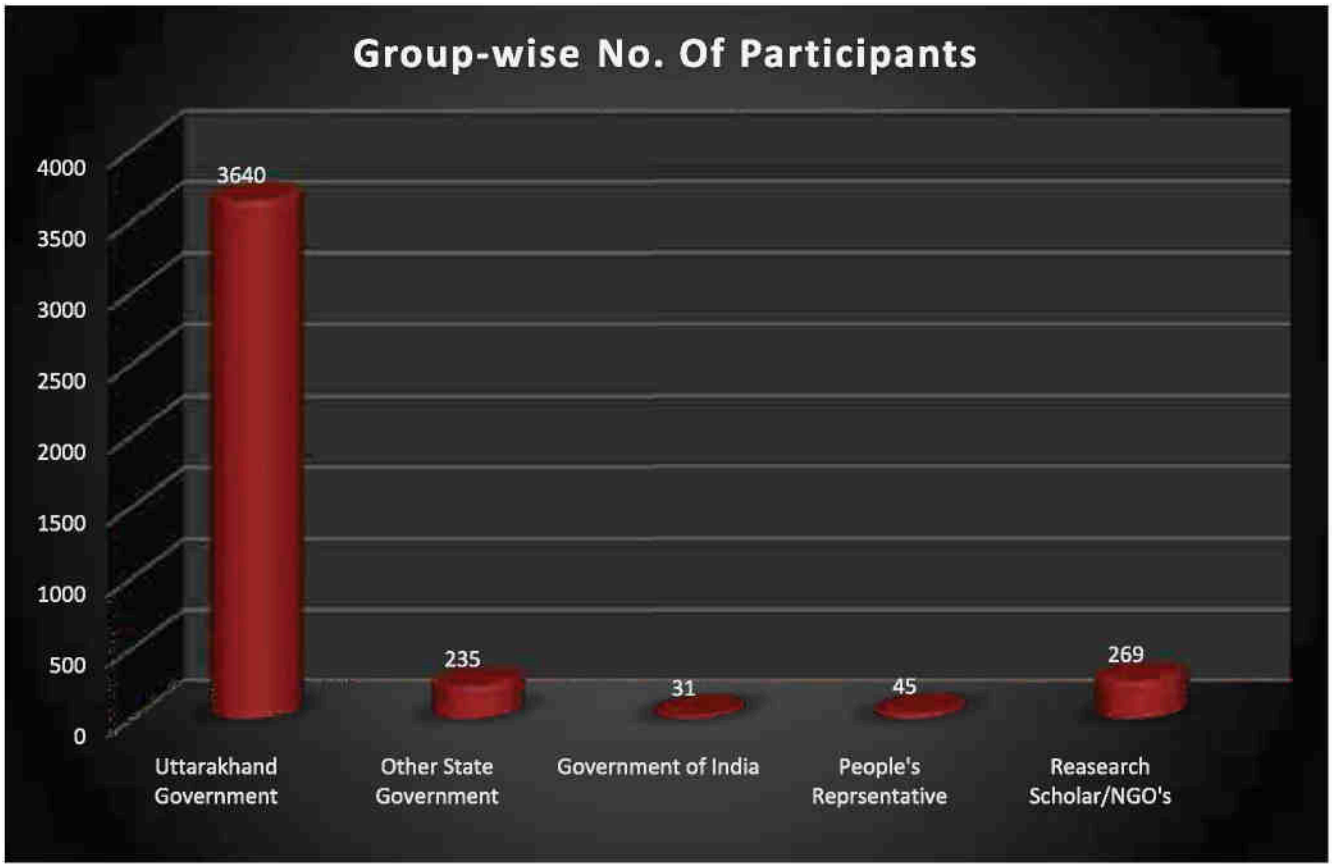

वर्ष 2022–23 में

डॉ. आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल

द्वारा आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

45th Induction Training Programme for Ayurveda Doctors
8th August to 6th September, 2022

46th Induction Training Programme for Ayurveda Doctors
5th December to 3nd January, 2023

47th Induction Training Programme for Ayurveda Doctors
27th February to 28th March 2023

51st Induction Training Programme for Junior Engineers of Irrigation Department
18th April to17th May, 2022

52nd Induction Training Programme for JE's of PWD, Uttarakhand
31st October to 30th November, 2022

53rd Induction Training Programme for JE's of Irrigation Department
5th January to 3rd February, 2023

Disaster Risk Reduction: Forest Fire
25th to 27th April, 2022

Hospital Disaster Management Plan
25th to- 27th April, 2022

Advance Training on FSSM/IWSM/Co-treatment
5th to 7th May, 2022

Birth And Death Registration Act And Its Impact On Nation Building
9th to 11th May, 2022

Design of Training (DoT)
9th to 13th May, 2023

Good Governance (IFS)
16th to 20th May, 2022

Landslide: Safe hill area practice
19th to 21th May, 2022

Training Need Analysis (TNA)
23rd to 28th May, 2022

Orientation Training Programme for CWC and JJB
26th to 28th May, 2022

ToT for Distirct level officers for preparing District and Block level SDG
02nd to 04th June, 2022

Disaster risk reduction: safe hill area practice
6th to 8th June, 2022

Evaluation of Training (EoT)
6th to 10th June, 2023

Mentoring Skills
13th to 15th June, 2023

Training Programme for JAs Working Under Ministry of Communication, Development of Telecom
13th to 16th June, 2022

Training Programme for JAs Working Under Ministry of Communication, Development of Telecom
13th to 16th June, 2022

Orientation of Jal Jeevan Mission" (Har Ghar Jal for level-2 officers)
16th to 18th June, 2022

Community Based Disaster Risk Management
20th to 24th June, 2022

The Role Of Conversions In Urban Schemes Like AMRUT, PMAY, SBM, NULM
27th to 29th June, 2022

Direct Trainers Skills (DTS)
27th June to 01st July, 2022

Orientation JJM (Har Ghar Jal for Level-1 Officers)
04th to 06th July, 2022

Orientation Training Programme for Judicial Officers
04th to 09th July, 2022

Orientation Training Programme on Legal Issues
13th to 14th July, 2022

AMRUT MP
22nd to 24th August, 2022

Integrated Spring-shed Management through Participatory Approach
25th to 27th August, 2022

Urban Agenda 2030 and Sustainable Development Goals
5th to 7th September, 2022

TOT for Master Trainers-RTI act 2005
05th to 07th September, 2022

Training program on "Integrated Spring-shed Management through Participatory Approach"
12th to 14th September, 2022

How to Maximize the Conviction Rate on Crime against Women
19th to 23rd September, 2022

Training Programme on Essential Life Skills
22nd to 24th September, 2022

GEM Workshop
10th October, 2022

Women empowerment and participation in urban development
10th to 12th October, 2022

Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT) Mission
Capsule-3
13th to 15th October, 2022

National Workshop on Reducing Risk: Capacity Building in the Mountain States
20th to 21th October, 2022

Exposure cum Institutional Training/ Educational Tour of Madhy Pradesh Administrative Officers
7th to 11th November, 2022

E-Governance and Digital India
17th to 19th November, 2022

Good Governance
30th November to 3rd December, 2022

Financial and Office Management
5th to 9th December, 2022

Total Quality Management – A Tool for Sevottam
08th to 10th December, 2022

Training Programme on Medico-Legal Issues for Medical Officers
12th to 14th December, 2022

SBM-2.0 and City-wise Sanitation plan
26th to 28th December, 2022

SBM-2.0 and City-wise Sanitation plan
29th to 31st December, 2022

Public Utility approach in rural water supply service delivery
Level-1 (JJM)
9th to 10th January, 2023

Women Leadership development through Training
09th to 11th January, 2023

Integrated Capacity building NULM Capsule 1
19th to 21st January, 2023

Exposure cum Institutional Training of Gujarat Administrative Service, Class-I Officers (Gazetted)
23rd to 27th January, 2023

Computer Application In Office
20th to 24th February, 2023

Disaster Resilience in Mountains: Need for Capacity Building
24th February, 2023

Training programme for PROs
06th to 08th February, 2023

Climate Change Adaption (CCA)-Disaster Risk Reduction (DRR)-Integration in to Sate & District Plans
20th to 22nd March, 2023

Master of Training (MoT)
20th to 24th March, 2023

Orientation Training Programme for Samiksha adhikari/Sahayak Samiksha adhikari (Lekha) of Sachivalay and Public Works Department Personnel
13th to 27th March, 2023

वित्तीय वर्ष 2022–23 तथा
वर्तमान में अकादमी के निदेशक एवं संकाय सदस्य

ACADEMY FACULTY

Mr. B.P.Pandey, IAS
(Retired)
Director General
Contact No. : (M) 05942-233477
directoracademy@hotmail.com

Tenure	From	08.01.2022
	To	At present

Shri B. P. Pandey is an Retd. Indian Administrative Service (IAS) officer of 1983 of Uttarakhand Cadre (formerly UP Cadre). He holds a Master's Degree in Botany (Ecology) and an MBA degree. He has worked in various senior positions in Government of Uttar Pradesh (till 2000), Government of Uttarakhand (from 2001-2006) as well as in Government of India (from 2006-2013 and 2014-2017) such as District Magistrate, Chief Executive of State PSUs, Secretary in the States mainly in Department of Power, Forest and Environment, Agriculture, Cooperatives, Watershed Development, Taxation and Drinking Water etc. He has a wide experience in the field of Power Sector, Natural Resource Management (Land, Water, Forest and watershed) and Rural Development. He has rich experience in formulation and implementation of externally funded projects (viz. World Bank, Asian Development Bank, and European Union) in the field of Watershed Management, Sodic-land Reclamation, Drinking Water & Sanitation, Management of Forest Resources and Hydro-electric Projects.

He has worked as Joint Secretary in Department of Chemicals & Petrochemicals and CVO in Power Sector CPSU's. He has also worked as Additional Chief Secretary, (Power and Commissioner Forest & Rural Development) Govt. of Uttarakhand (2013- 14) before joining back Government of India as Additional Secretary and Financial Adviser in the Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry and Ministry of Textiles in 2014.

He has been very closely associated with Power Sector. He took over as Additional Secretary in Ministry of Power, Govt. of India, in August, 2015. He has worked as Special Secretary in Ministry of Power, GOI, from August, 2016 to March, 2017 and looked after the work of Central Electricity Authority, Energy Conservation and Energy Efficiency, Hydro Power Development and matters relating to Policy & Planning, Training (NPTI) & Research (CPRI), International Cooperation etc., additionally also worked as DG, Bureau of Energy Efficiency & CMD, REC. Has been/is on the Board of Directors of Northern Coal Field (Coal India), UPCL, UJVN, PTCUL.

Mr. Prakash Chandra,PCS
Joint Director (Administration)
Contact No. : (M) 91-8958442401
prakashpcs2002@gmail.com

Tenure	From	19.08.2021
	To	At present

Born & brought up in remote District of Uttarakhand, Bageshwar. A postgraduate in Botany from Kumaun University, Pithoragath Campus. As a member of first batch of Uttaranchal Civil Service (Executive Branch). He has served as Sub Divisional Magistrate in Champawat, Rudraprayag, Nainital Districts. Additional District Magistrate in Almora & Nainital, GM KMVN & GM Bajpur Sugar Mill. Chief Development Officer, Almora & Nainital District, Additional Director Industrial Training & Director Dairy Development, Uttarakhand. He pioneer Tea Tourism in Shyamkhet Tea Garden in Nainital and did immense work in the Tourism Development during KMVN tenure.

Mr. V.K. Singh
Deputy Director (Computer)
Contact No. : (M) 91- 9411107637
viveldkumarsingh@yahoo.com

Tenure	From	01.05.1993
	To	At present

Posted since May, 1993 he has contributed as faculty for about 30 years. He has also served as Software Development Officer in UPTRON India Ltd., (U.P. Govt. Undertaking) Lucknow for about 2 years. He is a Recognized Trainer from Govt. of India for developing trainer skills. His areas of interest are Human Resource Development, Management, Organizational Behavior, Training of Trainers, and Information Technology. An M.Sc. in Physics from Meerut University, he has a Diploma in Computer Applications from NIIT, Lucknow and trained at Civil Service College, London (U.K.) for Total Quality Management in Training Institutes.

Mr. Dinesh Kumar Rana
Deputy Director (Finance)
Contact No. : (M) 91-9997917888
dineshranafo@gmail.com

Tenure	From	15.09.2011
	To	At present

Post Graduate in Sociology, joined the Uttarakhand State Financial Service in 2010 and has been a member of the Faculty since. Presently he is handling, Chief treasury Officer Nainital, and Finance Controller, Kumaun Mandal Vikas Nigam and also Deputy Director Finance Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration
His area of interest is State Finance Rule and Regulation.

Mr. Sudhir Kumar,PCS
Deputy Director
Contact No. : (M) 8849144422
sudhir_tamta066@rediffmail.com

Tenure	From	14.07.2022
	To	At present

Graduated in Mechanical Engineering. An Ex. Indian Navy Junior Commission Officer, Inducted in State Civil Service (Executive Branch) in 2017.
He served State of Uttarakhand as Deputy Collector, Uttarkashi, Rudraprayag and Chamoli District. Hold charge of sub division of Chamoli District as Sub Divisional Magistrate, Pokhari and Tharali. 14 July, 2022 onward he is contributing his services as Deputy Director, Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital as inchatge of sports, academy campus and other establishments.

Ms Poonam Pathak
Deputy Director (Economics)
Contact No. : (M) 91-8394889144
pom.pathak21@gmail.com

Tenure	From	27.05.2019
	To	28.02.2023

Post Graduate in Political Science, Previously Served as District Panchayat Raj Officer Champawat, Nainital and Bageshwar, Officer on Special Duty Uttarakhand Academy of Administration Nainital and Senior Mission Executive, National Rural Livelihoods Mission, Ministry of Rural Development, Government of India . Extensively visited India as a team member for Capacity Building Trainings of SHGs and their support system and Mid-term Review Missions of World Bank .

Areas of Interest –Decentralization & Panchayati Raj, Rural Development, Gender and Development, Right to Information, Service Law, Ethics and Values in Public Governance, Domestic Violence Prohibition Act 2005, Career Counseling, Participatory tools, Collectivization and micro finance, Capacity Building of SHGs and their support system.

Member of committees constituted by Ministry by Panchayati Raj, Govt. of India to review National Capacity Building Framework and developing 'Panchayat Development Index' .

Mr Nandan Singh Nagnyal
Deputy Director
Contact No. : (M) 91-8449456980
nsnagnyal@gmail.com

Tenure	From	19.06.2021
	To	At present

A postgraduate in history (Kumoun University Nainital), He has served as Upper Divisional Assistant in Finance and Sales Tax in Uttar Pradesh Government (Secretariate) and served as Naib Tehsildar and Tahsildar in various district of Uttarakhand like Chamoli, Pauri, Rudraprayag etc.. He has been a Sub Divisional Magistrate (SDM) in Revenue Departments- Pauri, Gharwal, Udham Singh Nagar, Champawat, Almora, Bageshwar and Rudraprayag. His area of interest is Revenue and Administration.

Mr Jagdish Chandra Kandpal
Dy. Director
Contact No. : (M) 91-94120 97457
kandpaljagdish@gmail.com

Tenure	From	07.09.2021
	To	30.09.2022

He holds a postgraduate degree in Physics from DSB Campus, Kumaun University, Nainital. He got selected in Uttar Pradesh Allied PCS Service in 1999 & has worked in different capacities in the Revenue Department of Uttar Pradesh and Uttarakhand. He has served as Sub Divisional Magistrate in Champawat, Tanakpur, Rudraprayag & Jhakholi etc. Executive Director in Revenue Police & Land Survey Training Institute Almora, Deputy Director, Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration Nainital, Additional Commissioner, Kumaun Mandal, Additional District Magistrate (Executive), Udham Singh Nagar. He specializes in the field of revenue administration, revenue records and departmental proceedings.

Dr. Deepa Mehra Rawat
Assistant Director (Behavioural Science)
Contact No. : (M)8755678482
assistantdirati22@gmail.com

Tenure	From	26.07.2022
	To	At present

She is Ph.D in political science from Kumoun University Nainital on the subject of Election Politices and Voting Behaviour in Uttarakhand (A study of Assembly Election 2002). She has start her career with Secondary Education as Assistant Teacher, Lecturer (political science). she served 11 years as teacher's trainer at District Institute of Education and Training, Nainital. After that in 2021 she has join higher education as Assistant Professor (Political Science). Her Areas of interest are culture of Uttarakhand, women empowerment, Gender, Enviromental and political issues.

Dr. Manju Dhoundiyal
Officer on Special Duty
Contact No. : (M) 9448312520
manjudhoundiyal@gmail.com

Tenure	From	11.07.2022
	To	09.02.2023

She is a Post Graduate in Psychology from Jodhput University with Ph.D conferred upon her by Lucknow University on the subject of Working Women. She has rich experience of training and research in the domains of Women Empowerment and Child Development. She started her career with National Institute of Educational Planning and Administration, New Delhi (now NUPA) and then worked at National Institute of Public Cooperation and Child Development, New Delhi as well as its Regional Centres located at Lucknow, Bengaluru and Guwahati. She brings in experience of training government officials as well as social organisations from across the country.

Ms Meenu Pathak
Cell Coordinator - Mission Karmyogi
Contact No. : (M) 91-9917144495
manipathak5@gmail.com

Tenure	From	01.10.2018
	To	At present

Master's degree in Computer Application and Diploma in Electronics & Electrical Communication Engineering. She is working as a Nodal Officer for COMMIT project under the aegis of DoPT, Govt. of India She has served as a Consultant for Modular Employability Skills (MES) at Directorate of Training and Employment, Uttarakhand. She has worked as Faculty for Information Communication Technology (ICT) with SHIKHAR- Project, a joint venture of Uttarakhand Govt. and APTECH. She has been Certified Test Administrator for Online Line Examinations (MCP, MCSE, MCSA, CCNA, CCNP) of Global Organizations like Prometric-Microsoft, CISCO-Pearson Vue, and Junipet. She is also a Faculty for e-Governance program under "Digital India Project" of Ministry of Electronics and Information Technology (MietY) Govt. of India for Capacity Building Program of District Officials.

Areas of interest - Verticals of Information Technology like Cyber Security, Open Data, e-Governance and Database Management System.

DISASTER MANAGEMENT CELL

Dr. Om Prakash
Associate Professor
Contact No. : (M) 9411107656
opnainital@yahoo.com

Tenure	From	10.03.2022
	To	At present

A Ph.D. in Geography from Kamoun University, he joined Uttarakhand Academy of Administration, Nainital in the year 2001. Prior to this he has worked in various projects related to Disaster Management at Uttarakhand. He has a deep interest in various social issues of disaster, community based disaster preparedness. He has varied experience in the area of training at State Level & National Level.

His Areas of Interest –Disaster Management and Capacity Building for Earthquakes.

Dr. Manju Pande
Assistant Professor,
Contact No. : (M) 91-8755745762
manjuku09@gmial.com

Tenure	From	12.02.2014
	To	At present

She holds a Ph.D. in Geology (Metamorphic Petrology) and her fields of expertise are Technical and Management support in capacity building and Service Delivery in Disaster Management, Coordination and Grassroots Management and Development, formulation of strategy for Disaster Management Trainings and Sensitization Programs. Specialist of Search and Rescue Training Programmes, School Safety Programmes, Earthquake Resilient Building Techniques, Mason training Programme, Gender & Disaster Management & Psycho social Issues & Challenges.

Ms. Priyanka Tyagi
Research Officer
Contact No. (M)- 7060670069
tyagi.geog2008@gmail.com

Tenure	From	21.11.2022
	To	At present

She has done Ph.D. from Department of Geography, Kumaun University. She has done Master's and B.A. (Hons.) in Geography from Kumaun University and Kirori Mal College, University of Delhi respectively. She has academic research experience of more than 6 years in various parts of Uttarakhand. She has worked as Project Associate at Institute of Disasters, Emergency and Accidents at New Delhi in which she prepared Disaster Management Plan of National Centre of Disease Control (NCDC), New Delhi. She has worked as Guest Faculty at Department of Geography, Bhadetwah Campus, and University of Jammu.

Centre for Good Governance

Mr. Manoj Pande
In-Charge: Urban Affairs
Contact No. : (M) 91-9897510978
manojpande64@gmail.com

Tenure From 08.08.2016
To At present

B. Tech. (Chemical Engineer), from IIT Kharagpur, MBA in Human Resources (HR) with an experience of 30 years in the verticals of Operational Management, Quality Management and HR in a Central Public Sector Undertaking, he has a vide interest in capacity building Activities in the areas of Quality Management (SQC & TQM), soft skills, leadership, ethics & values, organization culture & teamwork. Besides HR he is also a trained faculty on e-governance and specializes in the area of Urban Development.

Manwar Singh
Consultant
Contact No.: (M) 91-9999488024
manwarsingh26@gmail.com

Tenure From 06.11.2021
To 30.06.2022

He is M.A. in Political Science from Delhi University and MBA in HRM from Pondicherry University. He has also obtained Post-Graduate Diploma in Journalism (PGDJ) from Bharatiya Vidya Bhawan New Delhi, PG Diploma in Training and Development (PG DIP-TD) – Indian Society for Training & Development, New Delhi, Certificate in Human Resource & Talent Management Consulting (CPHRTMC) from Consultancy Development Centre (CDC). He has more than 24 years' experience in Human Resource Development and Training & Development. His areas of expertise include Training & Development, HRD, Soft/Life-skills & Communication Skills, Personality Development, Business Communication, Behavioural Training and Gender related Issues.

Ms. Ragini Tiwari
Conlultant- KRC
Contact No. : (M) 9870270400
raginitewari03@gmail.com

Tenure	From	26.07.2022
	To	At present

A postgraduate in Media Governance from Jamia Millia Islamia, New Delhi, has previously worked with the Presidents Secretariat New Delhi, Chief Minister's Office Uttarakhand, United Nations Development Programme and research organisations in the domain of citizen-centric initiatives and governance reforms. She has worked in the sectors of livelihoods, skilling, digital reforms, and communication and soft skills in various capacities and has keen interest in capacity building initiatives, change management and psychology.

वर्ष 2022–23 में

डॉ. आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल

द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

S.No.	Programme Category	No. of Programme	No. of Participants
1.	Trainer Development Programme-(TDP) - DoPT	06	91
2.	State Category Training Programme – (SCTP) DoPT	24	643
3.	Other Government of India Training Programmes (IFS)	01	22
4.	State Government Training Programme (Induction/Foundation/ Professional and Other Programmes	37	1828
5.	Disaster Management Cell (Other than TDP/SCTP)	13	971
	TOTAL	**81**	**3555**

Trainer Development Programmes

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Design of Training (DoT)	1-Week	9/05/2022	13/05/2022	Dinesh Kumar Rana	10
2.	Training Need Analysis (TNA)	1-Week	23/05/2022	28/05/2022	Dr. Manju Pandey	14
3.	Evaluation of Training (EoT)	1-Week	06/06/2022	10/06/2022	Dinesh Kumar Rana	17
4.	Mentoring Skills	3-Days	13/06/2022	15/06/2022	V.K.Singh Dy.Director	09
5.	Direct Trainers Skills (DTS)	1-Week	27/06/2022	01/07/2022	V.K.Singh	24
6.	Management of Training (MoT)	1-Week	20/03/2023	24/03/2023	Dr. Manju Pandey	17
Total number of Participants						**91**

State Category Training Programmes

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Prevention of Sexual harassment: the PoSH awareness programme	3-Days	21/04/2022	23/04/2022	Manwar Singh	19
2.	Hospital disaster management plan	3-Days	25/04/2022	27/04/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	34
3.	Birth and death registration act and its impact on nation building	3-Days	09/05/2022	11/05/2022	Poonam Pathak	44
4.	Workshop on Gender sensitization	3-Days	23/05/2022	25/05/2022	Manwar Singh	27
5.	E-Governance: Basic concepts and initiatives	3-Days	02/06/2022	04/06/2022	Meenu Pathak	28
6.	Disaster risk reduction: safe hill area practice	3-Days	06/06/2022	08/06/2022	Dr. Om Prakash and Dr. Manju Pandey	24
7.	The role of conversions in urban schemes like AMRUT, PMAY,SBM, NULM	3-Days	27/06/2022	29/06/2022	Manoj Pande	28
8.	Convergence in welfare schemes and their monitoring and evaluation	3-Days	01/08/2022	03/08/2022	Poonam Pathak	Online 29

9.	The Role of community participation in sustainable solid waste management	3-Days	04/08/2022	06/08/2022	Manoj Pande	Online 37
10.	SHGs and women empowerment	3-Days	22/08/2022	24/08/2022	Dr. Manju Pandey	30
11.	Advance vocational training for Women of hill and tribal areas	3-Days	22/08/2022	24/08/2022	Dr Manju Dhoundhiyal	25
12.	E-Governance: Cloud computing and Cloud infrastructure measures	3-Days	01/09/2022	03/09/2022	Meenu Pathak	Online 35
13.	A satisfied retired official an asset to the nation: how to plan life after retirement-special programme for 55 years and above age officials	3-Days	01/09/2022	03/09/2022	Poonam Pathak	21
14.	Training on retirement planning & financial literacy for government servants	3-Days	01/09/2022	03/09/2022	Dr.Manju Dhoundhiyal and Dr. Deepa Mehra Rawat	21
15.	Urban agenda 2030 and sustainable development goals	3-Days	05/09/2022	07/09/2022	Manoj Pande	25
16.	How to Maximize the Conviction Rate on Crime against Women	1-Week	19/09/2022	23/09/2022	Dr. Deepa Mehra Rawat	23
17.	How to Maximize the Conviction Rate on Crime against Women	1-Week	19/09/2022	23/09/2022	Dr. Deepa Mehra Rawat	22
18.	Training Programme on Essential Life Skills	3-Days	22/09/2022	24/09/2022	Dr. Manju Dhoundhiyal and Dr Deepa Mehra Rawat	26
19.	Women empowerment and participation in urban development	3-Days	10/10/2022	12/10/2022	Manoj Pande	Online 46
20.	Women empowerment through entrepreneurship development for officers of various development departments	3-Days	10/10/2022	12/10/2022	Dr. Deepa Mehra Rawat	16
21.	Women Leadership development through Training	3-Days	09/01/2023	11/01/2023	Manju Dhoundhiyal and Dr. Deepa Mehra Rawat	25
22.	Training programme for PROs	3-Days	06/02/2023	08/02/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	26
23.	Computer application in office	1-Week	20/02/2023	24/02/2023	V.K. Singh	16

24.	Computer application in office	1-Week	20/02/2023	24/02/2023	V.K. Singh	16
Total number of Participants						**643**

Government of India Programmes (IFS)

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Good Governance (IFS)	1-Week	16/05/2022	20/05/2022	Manoj Pandey	22
Total number of Participants						22

State Government Training Programme

Professional Course

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	20th Professional Course for IAS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre	12 Weeks	26/09/2022	30/11/2022	V.K.Singh	03
2.	2nd IPS (2021 Batch) Training Programme	2-Days	13/03/2023	14/03/2023	V.K.Singh	02
Total number of Participants						05

Induction Training Programme

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	51st Induction Training Programme for JEs' of Irrigation Department (Non-Gazetted)	1-Month	18/04/2022	17/05/2022	Dinesh Kumar Rana	36
2.	45th Induction Training Programme for Ayurvedic Doctors	1-Month	08/08/2022	06/09/2022	Dinesh Kumar Rana	39
3.	52nd Induction Training Programme for JE's of PWD of Uttarakhand	1-Month	31/10/2022	30/11/2022	N.S.Nagnayal	37
4.	46th Induction Training Programme for Ayurveda Doctors	1-Month	05/12/2022	03/01/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	36
5.	53rd Induction Training Programme for JE's of Irrigation Department of Uttarakhand	1-Month	05/01/2023	03/02/2023	Dinesh Kumar Rana	32
6.	47th Induction Training Programme for Ayurveda Doctors	1-Month	27/02/2023	28/03/2023	Sudhir Kumar	38
Total number of Participants						218

Other Training programmes

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Orientation Training Programme on Legal Issues	2-Days	13/07/2022	14/07/2022	V.K.Singh	39
2.	E-Governance and Digital India	3-Days	17/11/2022	19/11/2022	V.K. Singh	39
3.	Good Governance	4-Days	30/11/2022	03/12/2022	Dr. Manju Dhoundhiyal	20
4.	Finance and Office Management	5-Days	05/12/2022	09/12/2022	Dinesh Kumar Rana	21
5.	Total Quality Management-A tool for Sevottam	3-Days	08/12/2022	10/12/2023	Poonam Pathak and Sudhir Kumar	33
6.	Training Programme on Medico-Legal issues for Medical Officers	3-Days	12/12/2022	14/12/2022	Poonam Pathak and Sudhir Kumar	44
7.	SBM-2.0 and city-wise sanitation plan	3-Days	26/12/2022	28/12/2023	Manoj Pande	21
8.	SBM-2.0 and city-wise sanitation plan	3-Days	29/12/2022	31/12/2023	Manoj Pande	20
9.	Women Leadership development through Training	3-Days	09/01/2023	11/01/2023	Dr. Manju Dhoundhiyal and Dr. Deepa Mehra Rawat	25
10.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	17/01/2023	17/01/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	68
11.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	18/01/2023	18/01/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	57
12.	Training Programme on Right to Information Act (State)	1-Day	19/01/2023	19/01/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	99
13.	Important Dimensions of Disaster Management Outreach-Champawat	2-Days	19/01/2023	20/01/2023	Dr. Manju Pandey	39
14.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	23/01/2023	23/01/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	59
15.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	24/01/2023	24/01/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	80

16.	Training Programme on Right to Information Act (State)	1-Day	25/01/2023	25/01/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	120
17.	Capacity building: Disaster Risk reduction	2-Days	30/01/2023	31/01/2023	Dr.Om Prakash	35
18.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	02/02/2023	02/02/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	68
19.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	03/02/2023	03/02/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	64
20.	Training Programme on Right to Information Act (State)	1-Day	04/02/2023	04/02/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	103
21.	Sensitization Programme on Rights of Children (State)	1-Day	06/02/2023	06/02/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	63
22.	Sensitization Programme on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 (State)	1-Day	07/02/2023	07/02/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	71
23.	Training Programme on Right to Information Act (State)	1-Day	08/02/2023	08/02/2023	Poonam Pathak and Dr. Manju Dhoundhiyal	103
24.	NPS Workshop for DDO's of Nainital & Ranikhet	1-Day	08/02/2023	08/02/2023	Dinesh Kumar Rana	163
25.	TNA Refresher Course Mission Karmayogi	2-Days	09/02/2023	10/02/2023	Meenu Pathak	38
26	Visioning Workshop for GIS Master plan	2-Days	27/02/2023	28/02/2023	Manoj Pande	51
27.	Orientation Training Programme for Samiksha adhikari/Sahayak Samiksha adhikari (Lekha) of Sachivalay, PWD and Personnel	15-Days	13/03/2023	27/03/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	25
Total number of Participants						1568

Departmental Examination

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Departmental Examination-ITI	3-Days	05/01/2023	07/01/2023	Deepa Mehra Rawat	20
2.	Departmental Examination-Dy. SP	3-Days	13/02/2023	15/02/2023	Dr. Deepa Mehra Rawat	17
Total number of Participants						**37**

Grand Total number of Training Programmes	**81**
Grand Total number of Participants	**3555**

वर्ष 2022–23 में

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स,

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा आयोजित

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

S.No.	CGG Units	No. of Programme	No. of Participants
1.	Documentation and Coordination Unit	08	220
2.	Urban Development Unit	10	220
3.	KRC-Water and Sanitation Unit	06	173
4.	Gender Issues Unit	01	52
	TOTAL	**25**	**665**

Documentation and Coordination Cell

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	ToT for District level officers for preparing District and Block level SDG	3-Days	02/06/2022	04/06/2022	V.K.Singh	29
2.	Training Programme for JAs Working Under Ministry of Communication, Development of Telecom	4-Days	13/06/2022	16/06/2022	Dr. Om Prakash Dr. Manju Pandey	36
3.	Orientation Training Programme for Judicial Officers	1-Week	04/07/2022	09/07/2022	V.K.Singh	18
4.	ToT for Master Trainers RTI act 2002	3-Days	05/09/2022	07/09/2022	Poonam Pathak and Manju Dhoundhiyal	24
5.	GEM Workshop	2-Days	10/10/2022	11/10/2022	Dinesh Kumar Rana	46
6.	Educational Tour (MP)	1-Week	07/11/2022	11/11/2022	Dr. Om Prakash	32
7.	Training Programme for Homeopathic Department (Pharmacist)	5-Days	19/12/2022	23/12/2022	Dr. Om Prakash	25
8.	Exposure cum Institutional Training of Gujarat Administrative Service (Class-I)	6-Days	23/01/2023	27/01/2023	Dr. Om Prakash	10
Total number of Participants						**220**

Urban Development Cell

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Advance Training on FSSM/NIUA-3 days Seminar	3-Days	06/04/2022	08/04/2022	Manoj Pande	27
2.	ICTN Workshop	2-Days	22/04/2022	23/04/2022	Manoj Pande	24 Online
3.	Advance Training on FSSM/NIUA-3 days Seminar	3-Days	05/05/2022	07/05/2022	Manoj Pande	22
4.	AMRUT –MP	3-Days	22/08/2022	24/08/2022	Manoj Pande	18
5.	ICTN Workshop	2-Days	14/02/2023	17/02/2023	Manoj Pande	10 Online
MoHA Training Programme-2022-2023 (MP-Bhopal)/Uttarakhand						
6.	Integrated Capacity Building (PMAY) Capsule-1	3-Days	28/11/2022	30/11/2022	Manoj Pande	36
7.	Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT) Mission Capsule-3	3-Days	13/10/2022	15/10/2022	Manoj Pande	21

8.	Integrated Capacity Building (NULM) Capsule-1	3-Days	19/01/2023	21/01/2022	Manoj Pande	25
NIUA:SCBP & ICTN Programmes-2022						
9.	Advance Training on Integrated Waste Water and Septage Management (IWSM)	3-Days	26/09/2022	28/09/2022	Manoj Pande	18
10.	Training Programme on: "Role of SHGs in providing Urban Service Delivery: With a focus on Sanitation Services" Urban-NIUA	2-Days	22/12/2022	23/12/2022	Manoj Pande	19
Total number of Participants						**220**

KRC-Water and Sanitation Cell

For Level-I Officers						
1.	Public Utility Approach in Rural Water Supply Service Delivery	2 Days	09/01/2023	10/01/2023	Manoj Pande	23
For Level-II Officers						
2.	Integrated Spring shed Management through Participatory Approach	3 Days	25/08/2022	27/08/2022	Ragini Tewari	27
3.	Integrated Springshed Management through Participatory Approach	3 Days	12/09/2022	14/09/2022	Ragini Tewari	28
4.	Challenges & Solutions in Implementation of JJM in Hilly Areas	3 Days	12/12/2022	14/12/2022	Ragini Tewari	26
Training Programme Sponsored By State Water & Sanitation Mission, Dehradun						
5.	Orientation of Jal Jeevan Mission (Har Ghar Jal) for Level-II officers	3 Days	16/06/2022	18/06/2022	Ragini Tewari	30
6.	Orientation of Jal Jeevan Mission (Har Ghar Jal) for Level-I officers	3 Days	04/07/2022	06/07/2022	Ragini Tewari	39
Total number of Participants						**173**

Gender Issues Cell

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	Conducted Date		Course Director	No. of Participants
1.	Orientation Training Programme for CWC and JJB	3-Days	26/05/2022	28/05/2022	Manwar Singh	52
Total number of Participants						**52**

Grand Total number of Training Programmes	**25**
Grand Total number of Participants	**665**

For further details please contact / write to :
Coordinator, T.C.U.,
Dr. R.S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration
Ardwell Camp, Mallital, Nainital, Uttarakhand - 263001
Tel. : 05942-235011, 236068, 236149 Fax : 05942-237642
Website : www.uaoa.gov.in E-mail : tcu@uaoa.in